भाद्रपद शुक्ल पक्ष-8, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 170 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

05 दिसंबर 2023 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

22 अधिकतम

17 न्यूनतम

Page- 7

मैजिक के साथ शिवराज की लाड़ली बहना और शुभंकर वीडी के प्रयास

जीत की असल वजहों पर बात उधर हार के कारणों की तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पांच साल पहले विधानसभा चुनावों से बहुमत के बारीक अंतर से छिटकने वाली भाजपा को अब मिले प्रचंड बहुमत की वजहों की अब पार्टी के भीतर और बाहर चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना योजना ने संजीवनी फूंकी है तो प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा भाजपा के लिए फिर शुभंकर बने हैं। हालांकि हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट बैंक घटने नहीं दिया। 40.89 से घटकर वह 40.40 तक टिका रहा। लेकिन कांग्रेस का वोट शेयर नहीं घटने के बावजूद भाजपा के वोट बैंक में सात फीसदी से ज्यादा इजाफा हुआ। यानि वह 41.03 से बढकर 47 के पार जा पहुंचा। बीते 35 सालों में यह भाजपा का सबसे बड़ा वोट शेयर है। वहीं वीडी शर्मा ने 9 मार्च 2020 को प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया और मात्र 11 दिनों के भीतर ज्योतिरादित्य सिंधिया के सहयोग से भाजपा की सरकार 15 महीनों के निर्वासन के बाद वापस लौट आई। इसके बाद शिवराज और वीडी की जोड़ी ने सिंधिया के साथ मिलकर कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले 27 में से 19 विधायक दिलवाकर भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिलवा दिया। 2023 आते-आते वीडी शर्मा के प्रदेश अध्यक्ष रहते भाजपा 126 से 164 सीटों तक जा पहुंची। इसी के चलते लोग उन्हें भाजपा के शुभंकर के तमगे से नवाज रहे हैं।

उधर मप्र से लेकर छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस ने मुफ्त रेवडियों के वादे में खुद को भाजपा के मुकाबले मीलों आगे रखा। सौ यूनिट तक बिजली माफ दो सौ तक बिजली बिल हाफ की योजना से लेकर किसानों की कर्ज माफी और पांच हार्स पावर तक के बिजली पंपों को मुफ्त बिजली के नारों से लेकर कांग्रेस ने हरेक को पांच सौ रूपए में गैस सिलेंडर जैसी घोषणा की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना योजना के मुकाबले 15 सौ रूपए प्रति महीने नारी सम्मान योजना में देने के वादे किए लेकिन महिला मतदाताओं या शिवराज की बहनाओं ने अपने भाई की 1250 रूपए महीने की योजना पर यकीन करके कांग्रेस की मुफ्त की रेवडियों को नकार दिया। अब यह शोध का विषय है कि शिवराज की मुफ्त की रेवड़ी ही क्यों चली और छत्तीसगढ़ व राजस्थान में कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों की उससे बड़ी मुफ्त योजनाओं को जनता ने क्यों नकार दिया। या लोगों ने व्यक्ति के बजाए मोदी-शाह की अगुआई में भाजपा के सामूहिक नेतृत्व पर ज्यादा ऐतबार किया।

सीएम पर सस्पेंस जारी

प्रचंड बहुमत के बाद अब मप्र में मुख्यंमत्री के चेहरे पर सस्पेंस बना हुआ है। हालांकि शिवराज सिंह चौहान को स्वाभाविक व मजबूत माना जा रहा है लेकिन कुछ अन्य नाम भी चर्चा में आ गये हैं। वहीं भाजपा हाइकमान के रूख पर भी निगाहें हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि आज मप्र के लिये पर्यवेक्षक का नाम तय हो सकता है, उसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक होगी तथा नेता का चुनाव होगा।

समीक्षा के बाद दिल्ली कूच करेंगे कमलनाथ

इधर मप्र में करारी हार के बाद आज कोंस अध्यक्ष कमलनाथ ने सभी उम्मीदवारों के साथ बैठक शुरू की है। बैठक के बाद वे दिल्ली रवाना हो रहे हैं।माना जा रहा है कि वे वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करके हार की प्रारंभिक वजहें बताने की कोशिश करेंग, खास बात यह है कि हाइकमान ने उन्हें इस चर्चा के लिये अभी बुलाया नहीं हैं। बताया जाता है कि आज बैठक में नाथ ने अपनी बात रखी और उम्मीदवारों से भी लिखित में विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। समीक्षा का दौर आगे भी जारी रहेगा। बैठक में बहुत से उम्मीदवार नहीं पहुंच सके हैं।

इधर नए समीकरण, सिंघार ने दिग्विजय से माफी मांगी

कांग्रेस के भीतर मंथन के बीच ही पुराने गिले शिकवे भुलाने का दौर है। इसके चलते कई भीतरी समीकरण बदलते दिखाई दे रहें है। राजसभा सांसद दिग्विजय सिंह और कांग्रेस नेता उमंग सिंघार के बीच की खटास अब अब खत्म हो रही है। सिंघार ने पूर्व सीएम से अपने व्यवहार के लिए माफी मांग ली है। उन्होंने एक टीवी चैनल पर बातचीत में कहा कि दिग्विजय सिंह मेरे पिता तुल्य है। यदि मेरे आचरण से उन्हें ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं। सिंघार ने भावी नेता प्रतिपक्ष के चुनाव संबंधी सवाल पर कहा कि मैं नेता प्रतिपक्ष की रेस में नहीं हूं। इधर भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने चुटकी लेते हुए कहा है 'कांग्रेस सरकार के समय दिग्विजय सिंह को माफिया और ना जाने क्या-क्या बताने वाले उमंग सिंघार आज परिणामों के बाद दिग्विजय सिंह को पिता तुल्य बताकर उनसे माँफी माँग रहे है। इसे समझा जा सकता है कि वो भी अगले पीसीसी अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष की दावेदारी में है,क्योंकि दिग्विजय सिंह का साथ विक्रांत भूरिया को है तथा दिग्विजय को साधे बिना कुछ मिलेगा नहीं।'

'आज तुम *याद* बेहिसाब आए...'

दास्तान..रिवर्स गियर में किए गए एक सफर की!

अर्थात्

आशीष दुबे

चुनाव के पहले यदि संभावनाएं काम करती हैं तो चुनाव के बाद सिर्फ मेहनत बोलती हैं। मप्र के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बरक्स यह बात साफ जाहिर होती है। भाजपा ने जिस *लैंड स्लाइड* बहुमत के साथ सरकार में वापसी की राह तैयार की, वह उसकी कभी बोलकर और कभी *खामोशी* से हुई मेहनत का नतीजा है। मगर वही *लैंड स्लाइड* कांग्रेस की राहें रोककर खड़ा हो गया है, कब तक और कितने समय के लिए फिलहाल तो कोई भी कुछ बताने की स्थिति में नहीं है। हार के सही कारण तलाशने आज मप्र कांग्रेस बैठी है, तो वही सही तरीके से इसे जान पाएगी, वह इन कारणों को कितना जाहिर करती है और कितना छिपाती है, यह उसकी मर्जी और अधिकार होगा। मगर, तय है कि अब मप्र में कांग्रेस को पुनर्गठन की राह पकड़नी ही होगी, विकल्पहीनता का बहाना भी नहीं चलेगा, यह नई कांग्रेस गढ़ने का वक्त है। हालांकि ऐसा नहीं है कि कांग्रेस ने मेहनत नहीं की या उसके पास मुद्दे नहीं थे। बस, चंद महीने पहले सक्रियता दिखाना पर्याप्त नहीं था। वह भी तब, जबकि उसके सामने सबसे बड़ी चुनाव मशीनरी थी। यह जरूर है कि उसके मुद्दों में से कुछ *हाइजैक* हो गए, भाजपा के लिए काम भी कर गए, लेकिन प्यार,जंग और अब सियासत में यह सब जायज है। बेहतर होता कि जवाबी तौर पर उसके पास सटीक दांव होता,प्लान बी,सी या डी होता व किलर इंस्टिक्ट भी, जो भाजपा के पास है। अंदरखाने कमलनाथ का नेता-कार्यकर्ताओं से सीमित संपर्क, सीमित संवाद व असीमित ऑरा भी नुकसान का एक कारण माना जा रहा है।

फिलहाल तो कांग्रेस का सफर 2023 से 2008 का नजर आता है,यानि रिवर्स गियर वाला। पार्टी फिर वहीं नजर आ रही है, जहां दिसंबर 08 में थी। उस वक्त भी अक्टूबर तक सब पॉजिटिव लगता था, संभावनाएं बार-बार पीसीसी पर दस्तक दे रही थीं, यहां से मंत्रालय तक एक नयी राह निकलती नजर आ रही थी। इस बार भी ऐसा ही था, जनता भी अनमनी थी, सारे ज्वलंत मुद्दे उसकी पेशानी पर परेशानी की तरह नजर आते थे, मगर शुरूआत में टिकटों का और बाद में चुनाव प्रबंधन ही मुद्दों समेत 08 जैसा लड़खड़ाता नजर आया। इस बार भी, जनता कैसे भाजपा से *कन्विंस* हो गई, यह कांग्रेस के लिए केस-स्टडी की तरह होना चाहिए, जबकि कांग्रेस ने मप्र से बेहतर टक्कर भाजपा को एंटी इंकम्बेंसी से जूझते छत्तीसगढ़ व राजस्थान में दी। खास बात यह है, कि *भाजपा मप्र में इस तरह लड़ी जैसे साढ़े अठारह साल से विपक्ष में हो और कांग्रेस इस तरह लड़ती नजर आई जैसे साढ़े अठारह साल से सत्ता में हो!* शायद यही इस दास्तान का मर्म है। वैसे, आज समीक्षा में कांग्रेस व कमलनाथ को शिवराज शिद्दत से याद आएंगे, ठीक वैसे ही जैसा, फैज़ ने लिखा था- *'कर रहा था गमे जहां का हिसाब, आज तुम याद बेहिसाब आए।'* दूसरी ओर कुछ प्रतिकूलताओं के बावजूद भाजपा की टॉप लीडरशिप व मप्र में अपरिहार्य शिवराज की कामयाबी सियासी आख्यान की तरह सामने हैं और फ़ैज़ की ही इन पंक्तियों की तरह है - *'दूर थी राह,सर-ब-मंजिल, हम जहां भी पहुंचे कामयाब आए।'*

सीआईडी के इंस्पेक्टर फ्रेडिक्स का निधन

मुबंई एजेंसी। टीवी की दुनिया का एक चर्चित चेहरा आज परदे से सदा के लिये ओझल हो गया। मशहूर टीवी शो सीआईडी में इंस्पेक्टर फ्रेडिक्स का रोल निभाने वाले एक्टर दिनेश फडनीस का निधन हो गया। हार्ट अटैक आने के बाद दिनेश बीते कुछ दिनों से मुंबई के अस्पताल में भर्ती थे। वो वेंटिलेटर पर थे। उनकी तबीयत नाजुक बताई जा रही थी। लेकिन आज सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। दिनेश फडनिस बीते कुछ दिनों से जिंदगी मौत के बीच जंग लड़ रहे थे। दिनेश की मौत को उनके करीबी दोस्त और को-स्टार रहे दयानंद शेट्टी ने कंफर्म किया है. दयानंद शेट्टी, दिनेश के काफी करीब थे। एक्टर के जाने से उन्हें भी गहरा सदमा लगा है।

इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले घमासान

नई दिल्ली , एजेंसी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक आज बुलाई वहीं बुधवार को इंडिया गठबंधन के शीर्ष नेताओं के साथ कांग्रेस बैठक करेगी। छह दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बैठक को लेकर किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। बंगाल की सीएम ने इस बैठक पर बात करते हुए कहा था, 'मुझे नहीं पता। मुझे इस बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई, इसलिए मैंने उत्तर बंगाल में अपना कार्यक्रम जारी रखा। अगर हमें इस बैठक की जानकारी होती तो हम यह कार्यक्रम नहीं रखते। हम उस बैठक में जरूर शामिल होते, लेकिन हमें इस बैठक की कोई जानकारी नहीं दी गई।'

रूसी सेना में शामिल छह गोरखा सैनिकों की मौत

काठमांडू, एजेंसी। भारतीय सेना की अग्निवीर योजना से किनारा करने वाले नेपाल के गोरखा सैनिक अब बड़े पैमाने पर रूसी सेना में शामिल हो रहे हैं। मगर नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और विदेश मंत्रालय ने खुलासा किया है कि यूक्रेनी सेना से जंग लड़ते हुए अब तक नेपाल के रहने 6 गोरखा सैनिक मारे गए हैं। इनके शव तक रूस से नहीं आ सके और हिंदू होने के बाद भी उन्हें वहीं दफना दिया गया है। इसके बाद भी नेपाली सैनिकों के रूस पहुंचने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। आलम यह है कि हर दिन नेपाल का एक नागरिक मास्को स्थित नेपाली दूतावास से लौटाया जा रहा है। ये नेपाली गोरखा सैनिक रूस की सेना में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं।

सेंसेक्स-निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

मुंबई । आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार जारी लिवाली की बदौलत आज दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने जबरदस्त तेजी के साथ फिर नया रिकॉर्ड बनाया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 398.69 अंक की छलांग लगाकर सार्वकालिक उच्चतम 69 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 69263.81 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 122.10 अंक उछलकर नये रिकॉर्ड स्तर 20808.90 अंक पर रहा ।

तूफान मिचौंग आज टकराएगा, चैन्नई में सड़कों पर बहीं कारें

उड़ानें, ट्रेंनें व स्कूल सब बंद

चैन्नई , एजेंसी।

भयानक चक्रवाती तूफान मिचौंग तेजी से तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की घेराबंदी करता जा रहा है। तमिलनाडु के कई शहरों में मूसलाधार बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं।आज चेन्नई में इतनी भयंकर बारिश हो रही है कि सड़कों पर गाड़ियां नाव की तरह बहती दिखाई दी हैं। दोपहर तक मिचौंग तूफान आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। तूफान की टक्कर से पहले ही पूर्वी तट के 5 राज्य अलर्ट मोड पर हैं। नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच में ये तूफान जमीन से टकराएगा जिसके बाद इसकी गति में कमी आएगी। चेन्नई में भारी बारिश के कारण 12 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। वहीं, कई ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है। साथ ही, स्कूलों में भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। चेन्नई में भारी बारिश के चलते आठ लोगों की मौत की भी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अधिकारियों को राहत उपाय करने के लिए हाई अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

मेट्रो एंकर

कृत्रिम मांग पैदा करने की योजना का खुलासा

तेल का खेल करने की तैयारी में सऊदी अरब

नई दिल्ली , एजेंसी।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक व ओपेक सदस्य देश सऊदी अरब तेल का नया खेल करने की तैयारी कर रहा है। यह खुलासा उस वक्त हुआ है जब दुनिया के अधिकांश विकसित और विकासशील देश डीकार्बोनाइजेशन की योजनाएं तेज कर रहे हैं। मगर सऊदी अपने गैस और तेल के एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए पैंतरेबाजी रहा है। दरअसल, सऊदी अधिकारियों के स्टिंग ऑपरेशन का एक ऑडियो सामने आया है जिससे पता चला है कि सऊदी अरब ने एशिया और अफ्रीका के बाजारों में तेल की मांग को कृत्रिम तरीके से बढ़ाने की योजना बनाई है। सेंटर फॉर क्लाइमेट रिपोर्टिंग और चैनल 4 न्यूज ने ब्रिटेन में यह स्टिंग ऑपरेशन किया है जिसमें सऊदी अरब के ऑयल सस्टेनेबिलिटी प्रोग्राम के अधिकारियों ने स्वीकार किया कि सऊदी अरब की सरकार पेट्रोल, तेल और डीजल उत्पादों के लिए अफ्रीका और एशिया में मांग कृत्रिम तरीके से बढ़ाने की योजना बना रही है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक स्टिंग ऑपरेशन की जो ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आई है जिसमें एक अंडरकवर रिपोर्टर सऊदी अधिकारी से पूछता है- 'मेरा मानना है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से तेल की डिमांड कम होने का जोखिम है और इसलिए ओएसपी को कुछ प्रमुख बाजारों में तेल की मांग को कृत्रिम तरीके से बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया है?' जवाब में सऊदी अधिकारी ने कहा, 'हां. यह उन कुछेक पहलुओं में से एक है जिसे हम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह हमारे मुख्य उद्देश्यों में से एक है।'

क्राउन प्रिंस का समर्थन हासिल

इस अधिकारी ने कहा कि कृत्रिम तरीके से तेल की मांग बढ़ाने की इस योजना को सऊदी अरब के वास्तविक शासक क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का समर्थन हासिल है। योजना के तहत अफ्रीका के तट पर बिजली स्टेशन जहाजों का एक बेड़ा बनाना शामिल है, जो बिजली पैदा करने के लिए भारी ईंधन का उपयोग करेगा। योजना का लक्ष्य 'सुपरसोनिक' वाणिज्यिक विमानन शुरू करने के लिए तकनीक को विकसित करना भी है। इन सुपरसोनिक विमानों में पारंपरिक हवाई यात्रा की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक केरोसिन की जरूरत होगी।

वाहन संख्या बढ़ाने की योजना भी: तेल की मांग बढ़ाने के लिए सऊदी अरब एशियाई और अफ्रीकी बाजारों में तेल आधारित वाहनों की संख्या बढ़ाने की भी योजना बना रहा है। इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि सऊदी अरब वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए दी जाने वाली इंसेंटिव और सब्सिडी का मुकाबला करने की भी योजना बना रहा है। वैश्विक मांग को देखते हुए वह लंबे वक्त तक कच्चे तेल का अधिक से अधिक उत्पादन जारी रखेगा। मई में ही सऊदी की तरफ से घोषणा की गई थी कि वो 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक अपने कच्चे तेल के उत्पादन को 10 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़ाकर 1.3 करोड़ बैरल प्रतिदिन कर देगा।

विधायकों का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

नरेला विधानसभा के विधायक विश्वास सारंग, बेरसिया विधायक विष्णु खत्री, गोविंदपुरा विधायक कृष्णा गौर, उत्तर विधानसभा के कांग्रेस के विधायक आतिफ अकील और भोजपुर के विधायक सुरेंद्र पटवा का कार्यकर्ताओं ने जीत के बाद किया स्वागत।

प्रदेश के 2 लाख कॉलेज के विद्यार्थियों को राहत

अब 31 दिसंबर तक हो सकेंगे विद्यार्थी अगली कक्षा में प्रमोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग के कॉलेजों में पढ़ रहे यूजी-पीजी विद्यार्थियों को राहत दी है। छात्र हित में विभाग ने यूजी द्वितीय, तृतीय वर्ष और पीजी तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का नाम अगली कक्षा में प्रमोट करने के लिए अंतिम तारीख 30 नवंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दिया है।

दरअसल, दो माह से चल रही प्रक्रिया के बाद भी नौ लाख में से केवल सात लाख विद्यार्थियों का ही प्रमोशन हो सका है। करीब दो लाख विद्यार्थियों ने अभी तक एडमिशन फीस जमा नहीं की है। वह बिना प्रमोट हुए अगली कक्षा में पढ़ाई कर रहे हैं। अब इन विद्यार्थियों के पास एक माह का समय है। इसके बाद भी विद्यार्थियों का नाम अगली कक्षा के लिए प्रमोट नहीं किया जाता, तो वह वार्षिक परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे।

अब तक सात लाख का हुआ प्रमोशन, बाकी बिना प्रमोट हुए अगली कक्षा में पढ़ाई कर रहे

यह भी एक कारण

कॉलेजों में नया शैक्षणिक सत्र एक जुलाई से शुरू हो चुका है। लेकिन प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा अगस्त-सितंबर तक चली। रिजल्ट में देरी से इन विद्यार्थियों का प्रमोशन समय से नहीं हो सका है। कई विश्वविद्यालयों ने अभी तक यूजी-पीजी के विभिन्न कोर्सों के रिजल्ट जारी नहीं किए हैं। नतीजन अभी प्रमोशन के लिए लगभग दो लाख विद्यार्थी अब भी शेष हैं।

छात्रों को 500 रुपए देने होते हैं

कॉलेज प्राचार्यों के अनुसार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की व्यवस्था के तहत इन विद्यार्थियों को रिजल्ट आने से पहले ही अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया है। इसके लिए छात्रों को 500 रुपए प्रवेश शुल्क के तौर पर देना होते हैं। इनमें से कई छात्र फेल होने के डर से फीस जमा नहीं करते हैं। फीस जमा न होने से इन विद्यार्थियों का मान्य नहीं माना जाश्एगा।

लोगों को सिखा रहे बुनकरी की बारीकियां

देशभर के बुनकरों का मेला लगा भोपाल हाट में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में दर्जनभर राज्य के बुनकरों का 'मेला' लग गया है। मप्र हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा विकास आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से नेशलन हैंडलूम एक्सपो के भोपाल हाट में आयोजन के लिये यह बुनकर जुटे हैं। कल से शुरू इस मेले में 17 दिसंबर तक मप्र समेत देश भर के 12 राज्यों से करीब 117 बुनकरों की भागीदारी है। इनमें हिमाचल, लेह- लद्दाख, कश्मीर के बुनकर अपने गर्म कपड़े लेकर आए हैं। हालांकि पहले दिन सभी दुकानें खुल नहीं पाई। देर शाम तक लाटरी के माध्यम से स्टाल आवंटन का कार्य ही चलता रहा।

आज इस प्रदर्शनी का औपचारिक शुभारंभ हो रहा है। प्रदर्शनी में प्रतिदिन सांस्कृतिक आयोजन, शिल्पियों, बुनकरों की कार्यशालाएं एवं विभिन्न प्रतिस्पर्धात्मक आयोजन तथा रंगोली, पेंटिंग, डिजाइन डिस्प्ले जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। एक्सपो में वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के विकास आयुक्त हाथकरघा की ओर से थीम पवेलियन बनाया गया है, जिसमें डेमो और डिस्प्ले का प्रबंध किया गया है। थीम पवेलियन में बुनकर सेवा केंद्र, इंदौर के गणेश कुमार हाथकरघा पर बुनाई की प्रक्रिया के बारे में बता रहे हैं। वे ताना-बाना से लेकर कपड़ा बनाने की प्रक्रिया से आमलोगों को अवगत करा रहे हैं। यहां मप्र की प्रसिद्ध महेश्वरी और चंदेरी साड़ियों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। वहीं बिहार भागलपुर से आए मोहम्मद नासिर मधुबनी प्रिंट से डिजाइन धीचा सिल्क साड़ी लेकर आए हैं, जिसकी कीमत करीब सात हजार रुपए है, बिहार की भागलपुरी सिल्क साड़ी, डुपियन सिल्क, लेनिन में मधुबनी प्रिंटेड सा?ी की ढेरों वैरायटी को नासिर ने प्रदर्शित किया है।

स्कूल जाने के लिए हम भी है तैयार...

भोपाल के लालघाटी नवीन शासकीय विद्यालय के दरवाजे के सामने सड़क पर गाय बैठी हुई मानों ऐसा लगा रहा है कि वह भी पढ़ाई करने के लिए स्कूल जाने के लिए तैयार है।

भारतीय नौसेना दिवस पर विशेष कार्यक्रम

नौ सेना की उपलब्धियों की जानकारी होना जरूरी: डालिमा पारवानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की नेशनल कैडेट कोर यूनिट द्वारा भारतीय नौसेना दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भारतीय नौसेना के अटूट समर्पण और निस्वार्थ सेवा का सम्मान करने का संदेश देना था।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि भारतीय नौसेना का इतिहास गौरवशाली रहा है। हम सभी को भारतीय नौसेना, उसके प्रयासों एवं उपलब्धियों की जानकारी होना

आवश्यक है। रक्षा के क्षेत्र में कॅरियर देश के सबसे प्रतिष्ठित एवं सम्मानित कॅरियर में से एक माना जाता है। आप भी उत्साह, साहस और चुनौतियों से भरे इस क्षेत्र में अपना भविष्य निर्माण कर राष्ट्रहित में अपना योगदान दे सकते है। कैडेट शिवानी पटेल ने भारतीय नौसेना पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में एनसीसी सहित समस्त प्राध्यापिकाएं और एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थी।

मेट्रो एंकर

सोमवार को कई बार लगा जाम, लोग हुए परेशान, मजबूरन लिया कॉरिडोर का सहारा

मेन रोड पर बारातों का जाम, रेंगते हुए चलना पड़ता है वाहनों को

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शादियों का सीजन में मेन रोड पर बारातों के कारण जाम की समस्या पैदा हो गई है। बीते एक सप्ताह से हर दिन एक न एक बारात बाजारों के रास्ते से होकर मेन रोड पहुंचती है। बारात के आगे और पीछे दोनों तरफ जाम के हालात बनते हैं। यातायात व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारी इसके लिए कोई व्यवस्था नहीं करते। ऐसे में बारातों के पीछे रेंगते वाहन चालकों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा समस्या मेन रोड पर होती है। यहां से बारात निकलने की स्थिति में वाहन चालक बीआरटी कॉरिडोर में घुसने लगते हैं। शादियों का सीजन शुरू हो गया है और बाजारों में रौनक भी होने लगी है, जिससे एक बार फिर से संत नगर के कई मार्गो से बारातों के निकालने का सिलसिला शुरू हो गया है। सोमवार को भी ऐसा हुआ। बारातों के कारण मुख्य मार्ग पर एक छोर से दूसरे छोर तक जाम देखा गया हाईवे पर लोग रेगते रेगते चलते देखे गए। इधर इस जाम को खुलवाने के लिए पुलिस का कोई भी व्यक्ति काफी देर तक सड? पर नजर नहीं आया,लोग खुद वाहनों से उतरकर वाहनों को निकालते हुए नजर आऐ। इसके साथ ही संत नगर के आदर्श मार्ग पर भी दो दो एक साथ बारातों के निकलने के चलते जाम बना। यहां पर हाथ ठेला वालों ने भी सडक पर डटे रहे,वे भी टस से मस होते हुए नजर नहीं आए,हालात ये थे कि चार पहिया वाहन इसके बाद हाथ ठेला और फिर बारात का दुश्य लोगों को देखने को मिला।

एक जवान तक तैनात नहीं रहता

संतनगर की सड़कों पर ट्रैफिक जाम होने की समस्या स्थाई रूप लेती जा रही है। बावजूद इसके समाधान की दिशा में जिम्मेदार अफसर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि दिनभर लोग परेशान होते रहते हैं। इसके बाद भी जाम की समस्या को अनदेखा किया जा रहा है।

अभी गिद्धों के रहवास स्थानों को चिन्हित कर रहे वनकर्मी

गिद्धों की गणना से पहले सर्वे शुरू, जनवरी में गिने जाएंगे

कब-कब होगी गिनती: पहली बार गिनती के बाद दूसरी बार अप्रैल में यह गिनती होगी। दोनों ही दिन एक ही समय में प्रदेश भर के वन क्षेत्रों में एक साथ गिद्ध गिने जाएंगे। इसके लिए प्रदेश स्तर पर प्रशिक्षण दे दिया है। अब प्रदेश के टाइगर रिजर्वों व सामान्य वन मंडलों में उन क्षेत्रों का सर्वे किया जा रहा है, जहां गिद्ध पहले से पाए जाते हैं या जहां पाए जाने की संभावना है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में गिद्धों की गणना से पहले सर्वे शुरू हो गया है। जिसमें गिद्धों के रहवास स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है, उसके बाद एक दिन एक ही समय में गणना की जाएगी। यह गणना फरवरी के पहले सप्ताह में होगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व के वर्षों में गिद्धों की गणना प्रत्येक दो वर्ष में होती थी। गणना को तभी पूरा माना जाता था जब कुछ माह के अंतराल में दो बार गिद्धों को गिना जाता था। इसके बाद गिद्ध गणना एक बार की जाने लगी थी। इस वर्ष से होने वाली गिद्धों की गणना फिर से दो बार होगी।

दिसंबर के अंत तक पूरा होगा सर्वे

वर्तमान में जो सर्वे किए जा रहे हैं, उसके आंकड़े दिसंबर के अंत एकजाई कर लिए जाएंगे। पिछली बार 7 फरवरी 2022 को गिद्धों की गणना हुई थी। तब एक बार की गिनती में 9,448 गिद्ध मिले थे। गिद्धों की यह संख्या देशभर के राज्यों में सबसे अधिक थी। इस गणना के लिए वन विहार नेशनल पार्क भोपाल को नोडल बनाया है। पार्क के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में जब गणना शुरू की गई थी तब दो बार ही होती थी लेकिन बीच में एक बार गणना को ही मान्य किया जाने लगा था। अब इस वर्ष से दो बार गणना कराएंगे। अधिकारियों के मुताबिक गिद्ध गणना के लिए पहली बार तकनीक की मदद ली जा रही है। गणना मैनुअली ही होगी लेकिन उसमें गिद्धों से जुड़े साक्ष्य जैसे, फोटो, विष्ठा, उनके घोसले आदि को साफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा। इस आधार पर इनकी पहचान करने व इनकी प्रजाति की सटीक जानकारी प्राप्त करने में साफ्टवेयर मदद करेगा। अधिकारियों के मुताबिक राज्य स्तरीय प्रशिण के बाद संभाग व जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह काम अलग-अलग चरणों में चल रहा है। इसके लिए सभी जिले के डीएफओ व पार्क के फील्ड डायरेक्टर को जिम्मेदारी दी गई है।

पांच-पांच सरकारी स्कूलों को चिन्हित कर किए जाएंगे कॅरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम

11 से स्कूलों में शुरू होगा कॉलेज चलो अभियान शिक्षक पहुंचेंगे छात्रों के बीच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 12वीं की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए स्कूलों में कॉलेज चलो अभियान चलाया जाएगा।

12वीं कक्षा के छात्रों को उनकी रुचि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करने के लिए यह अभियान 11 दिसंबर से स्कूलों में शुरू होगा। सरकारी स्कूलों में 11 दिसंबर से 31 जनवरी तक काउंसलिंग की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार, कॉलेजों के शिक्षकों को पांच-पांच सरकारी स्कूलों में कॅरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम करना है। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, मेधावी, संबल, गांव की बेटी सहित अन्य योजना के बारे में बताना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर सरल तरीके से पूर्ण जानकारी देना है।

सरकारी कॉलेजों में प्रवेश बढ़ेंगे

कॉलेज चलो अभियान के तहत उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कॉलेजों के दायरे में आने वाले स्कूलों में इन गतिविधियों को संचालित करने के निर्देश दिए हैं। सरकारी कॉलेजों में प्रवेश का प्रतिशत बढ़ाने के लिए यह किया जाएगा। काउंसिलिंग के आधार पर छात्र-छात्राओं को कॉलेजों तक लाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों का कॉलेज में प्रवेश करवाना है। रजिस्ट्रेशन भी करवाना है।

विषय विशेषज्ञों की मदद लेंगे

विद्यार्थियों को उनकी रुचि के मुताबिक विषयों का चयन करवाना है। इसमें विषय विशेषज्ञों की मदद लेना है। प्लेसमेंट गतिविधियों, एनसीसी, एनएसएस के बारे में भी बताना होगा। छात्र-छात्राओं की प्रत्येक संकाय से जुड़ी जिज्ञासाओं को शांत करना होगा।

माता-पिता से भी करेंगे मुलाकात

स्कूलों में काउंसिलिंग करने के बाद शिक्षकों को विद्यार्थियों के माता-पिता से भी मुलाकात करना है। ताकि वे अपने बच्चों का कॉलेज में दाखिला करवा सकें। इस संबंध में रिपोर्ट बनाकर उच्च शिक्षा विभाग को भेजी जाएगी।

भाजपा की बूथ स्तर की तैयारी रही असरदार

कांग्रेस की बूथ समिति रही नाकाम कोरा साबित हुआ प्री-इलेक्शन मैनेजमेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस अपनी हार की समीक्षा का दौर आज से शुरू कर रही है। हालांकि यह साफ होने लगा है कि कांग्रेस ने सांगठननिक स्तर पर जो तैयारी की थी, वह दिखावटी साबित हुई है। भाजपा के संगठन से मुकाबला करने के लिए बूथ, सेक्टर और मंडलम स्तर पर जो समितियां बनाई वह कहीं टिक नहीं पाई। समितियां पार्टी की बात असरदार तरीके से मतदाताओं तक पहुंचा नहीं सकी और न ही जनता की नब्ज को टटोलने में सफल हुई। खास बात यह है कि युवा कांग्रेस एक बूथ-दस यूथ बनाने का जो लक्ष्य दिया गया था, उस पर काम भी रस्मी ही रहा। पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर नहीं निकले। युकां अध्यक्ष भी खुद चुनाव लड़ने में व्यस्त रहे। हालांकि, यह दोनों अपना चुनाव जीत गए।

उल्लेखनीय है कि अध्यक्ष कमल नाथ ने संगठन को भाजपा से मुकाबले के तैयार करने के लिए बूथ, सेक्टर और मंडलम पर काम का दावा किया था। हर क्षेत्र में समिति बनाई थीं।वे स्वयं इनकी निगरानी की और दौरों के समय करते थे। हालांकि उनके दौर ही बहुत सीमित रहते थे। उनकी मंशा थी कि संगठन मजबूत रहे ताकि प्रत्याशी कोई भी हो, उसका कोई प्रभाव न पड़े, लेकिन प्रयोग कारगर नहीं हुआ। वहीं युवा कांग्रेस को प्रत्येक बूथ-दस यूथ की टीम तैयार करने का लक्ष्य दिया गया जो सभी 230 विधानसभा सीटों तक पहुंच ही नहीं पाया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डा. विक्रांत भूरिया को पार्टी ने झाबुआ से प्रत्याशी बनाया तो वह वहीं सिमटकर रह गए। दूसरी तरफ भाजपा की बूथ प्रबंधन टीम निर्धारित दिशा में काम करती रही। प्रत्याशी के स्थान पर उन्होंने पार्टी का मत प्रतिशत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। इसका लाभ भी मिला और पार्टी को वोट प्रतिशत 42.01 से बढ़कर 48.55 प्रतिशत हो गया। जबकि, कांग्रेस का वोट प्रतिशत 40.89 से घटकर 40 प्रतिशत ही रह गया।

इस बार बड़ा बदलाव : अब थानों में नहीं बैंकों में रखे जाएंगे 10वीं-12वीं के पेपर

पिछले साल पेपर लीक के कई मामले आए थे सामने इसलिए उठाया कदम

इस बार एमपी बोर्ड की परीक्षाओं में और सख्त रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दसवीं और बारहवीं बोर्ड कक्षा की परीक्षाएं 5 और 6 फरवरी 2024 से शुरू हो जाएगी। इस साल परीक्षा में करीब 20 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण दिसंबर अंत तक होगा। इस साल ऐसे स्कूलों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा जिनमें पिछले साल सामूहिक नकल प्रकरण बने थे या परीक्षा लीक जैसे मामले सामने आए थे। इस बार मंडल कुछ बदलाव कर रहे है। जिसके तहत 10वीं व 12वीं कक्षा के पेपर अब थानों की जगह बैंकों में रखने की तैयारी की जा रही है। पिछले दिनों कार्यपालिका की बैठक में यह निर्णय हुआ था। बताया जाता है कि इस बार माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10 वीं व 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान करीब 10 विषयों के प्रश्न-पत्र इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने की सूचनाएं चलती रही। माशिमं ने ऑब्जेक्टिव के स्थान पर एक-एक अंक वाले रिक्त स्थान के प्रश्नों को बढ़ावा दिया है। इन्हें पूरा पढ़ने वाले विद्यार्थी ही हल कर पाएंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्ष 2023-24 की परीक्षा के लिए सब्जेक्ट में चैप्टरों का समूह बनाया है। इससे अब विद्यार्थियों को सभी चैप्टर पढ़ने होंगे।

'रुक जाना नहीं...' के दूसरे चरण की परीक्षाएं 13 दिसंबर से

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

13 दिसंबर से रुक जाना नहीं के दूसरे चरण की परीक्षाएं शुरू होंगी। कक्षा 12 वीं की परीक्षाएं 13 से 30 दिसंबर तक चलेंगी, वहीं 10 वीं कक्षा की परीक्षाएं 15 से शुरू होकर 28 दिसंबर तक चलेंगी। वहीं मदरसा बोर्ड की 10 वीं की परीक्षा 15 से 30 दिसंबर तक, 12 वीं की परीक्षा 13 से 29 दिसंबर तक होगी। समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। छात्र-छात्राओं को सुबह 8.30 बजे परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। परीक्षा शुरू होने से 10 मिनट पहले उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनिट पहले प्रश्न-पत्रों का वितरण किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | एक लाख 26 हजार विद्यार्थी हुए शामिल

आरजीपीवी की परीक्षा आज शुरू, प्रश्नपत्रों को पर्यवेक्षक की उपस्थिति में खोला गया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में सातवें सेमेस्टर बीटेक, बीफार्मा, एमसीए द्वितीय, तृतीय और बीआर्क की परीक्षाएं आज से शुरू हो गई हैं। प्रश्नपत्रों को पर्यवेक्षक की उपस्थिति में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में खोला गया। बताया गया कि कॉलेज प्रबंधन को सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग विश्वविद्यालय व नोडल केंद्र में अनिवार्य रूप से जमा करना होगी। साथ ही कंट्रोल रूम में प्रश्नपत्रों को लिफाफे से खोलते समय भी मोबाइल प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा साथ संबंधित को उसे जमा करवाने की रसीद भी प्राप्त करना होगी। इन परीक्षाओं में लगभग एक लाख 26 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए विवि ने 43 बिंदू की गाइड लाइन जारी की है। इसके तहत सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य किया है।

फाइल फोटो

बीटेक पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 दिसंबर से

आरजीपीवी की पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 दिसंबर से शुरू होकर 21 दिसंबर तक चलेगी। कॉलेज प्रबंधन को सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग विवि अथवा नोडल केंद्र में अनिवार्य रूप से जमा करना होगी। इसी के साथ संबंधित को उसे जमा करवाने की रसीद भी प्राप्त करना होगी। प्रश्नपत्रों को पर्यवेक्षक की उपस्थिति में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में खोला जाएगा। इसी के साथ कंट्रोल रूम में प्रश्नपत्रों को लिफाफे से खोलते समय भी मोबाइल प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए दो उडऩदस्ता टीमों का गठन किया है। इसी के साथ सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की भी नजर रहेगी।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

सुविचार

पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हँसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे, और आप जित जायेंगे।

- अज्ञात

संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था और उम्मीदें

सरकार को सियासी मोर्चे साधने के साथ ही सामाजिक व आर्थिक मोर्चे भी साधना चुनौती की तरह होता है। आर्थिक मोर्चे पर कामयाबी झलकती भी रही है। इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) में जीडीपी ग्रोथ की बढ़ी हुई रफ्तार ने सबको चौंका दिया। किसी तथा हालात बता रहे हैं कि कोई अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव नहीं हुआ तो भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की उम्मीद बनी रहेगी। दरअसल किसी ने सोचा था कि इकॉनमी इस अवधि में 7.6 फीसदी की रफ्तार हासिल करेगी। रिजर्व बैंक का भी अनुमान 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी का था। इस आंकड़े से जुड़े कुछ खास पहलू ध्यान देने लायक हैं। पहला, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 13.9 फीसदी बढ़कर 7.15 लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। दूसरा, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र 13 फीसदी इजाफे के साथ 3.04 लाख करोड़ का हो गया है। तीसरा, निवेश में 11 फीसदी की बढ़त हुई है, जिसके बाद यह 14.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि इन चमकते बिंदुओं के साथ ही ग्रोथ के आंकड़ों से जुड़े कुछ ऐसे भी पहलू हैं, जो राह में आगे खड़ी चुनौतियों की ओर संकेत करते हैं। एक बात तो यही है कि निजी खपत में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी धीमी रही है। इस दौरान इसमें महज 3.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो आमदनी के वितरण के लिहाज से अच्छी नहीं कही जा सकती। यह बड़ी बात है क्योंकि देश के जीडीपी में खपत की भागीदारी 60 फीसदी है। इसके अलावा कृषि क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन भी अहम मसला है। पहली तिमाही में 3.5 फीसदी की रफ्तार दिखाने वाला कृषि क्षेत्र दूसरी तिमाही में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी ही दर्ज करा सका। बड़ी बात यह है कि साल के अगले हिस्से में भी इस क्षेत्र में बढ़ोतरी की अच्छी संभावना नहीं दिख रही, जिसका असर ग्रामीण क्षेत्र की मांग पर पड़ सकता है। मगर इन चुनौतियों के बावजूद देश की इकॉनमी पूरी दुनिया की उम्मीद का आधार बनी हुई है। उसके पीछे एक बडा फैक्टर है टैक्स कलेक्शन के मजबूत आंकड़े। ध्यान देने की बात यह भी है कि पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार ने वित्त घाटे में राजस्व घाटे का हिस्सा कम कर लिया है। सीधे शब्दों में इसका मतलब यह है कि कर्ज का बड़ा हिस्सा निवेश में लग रहा है। इसके अलावा घरेलू बचत के स्वरूप में भी बदलाव देखा जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में म्युचुअल फंड में निवेश तेजी से बढ़ा है। खासकर 2021-22 में इसमें ढाई गुना बढ़ोतरी देखी गई और उसके अगले साल यानी 2022-23 में 12 फीसदी की वृद्धि हुई। इससे यह भी साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकॉनमी है और इसे वैश्विक तौर पर ब्राइट स्पॉट माना जा रहा है तो यह स्थिति तुरंत बदलने वाली नहीं है। रिजर्व बैंक सालाना जीडीपी अनुमान में बदलाव लाता है या नहीं, यह देखना होगा। लेकिन कई विश्लेषक ऐसे संशोधित अनुमान पेश कर चुके हैं। मसलन, बार्कलेज ने इसे 6.3 से बदलकर 6.7 कर दिया है। मगर 6.3 फीसदी की अनुमानित विकास दर के साथ भी भारत आईएमएफ के अक्टूबर में जारी वर्ल्ड इकॉनमिक आउटलुक प्रोजेक्शन में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में शामिल था।मानकर चलना चाहिये कि यह अनुमान सही साबित होंगे और देश में आम लोगों की जेब में पैसा होगा,बाजार की चाल सुधरती जाएगी और नौकरियों की रफ्तार बढेगी।

निशाना

आज का यह ज्ञान !

- कृष्णेन्द्र राय

मिली करारी हार है।
ना जिसका था भान ।।
यही राजनीति है।
आज का यह ज्ञान ।।
लगा रहेगा उठापटक।
करना नया तलाश ।।
काश वो हो जाता।
जो सोचे थे ख़ास ।।
कहां हुई है चूक ?
उसका पता लगाना ।।
बड़ी जिनकी बातें।
उनको याद दिलाना ।।
है यह अब तो तय।
होना है प्रहार ।।
देखते हैं कब तक।
हो कुछ चमत्कार ।।

आज का इतिहास

- **2013** - यमन की राजधानी सेना में रक्षा मंत्रालय परिसर पर आतंकवादी हमले में 52 लोगों की मौत।
- **2008** - रूस के राष्ट्रपति दामित्री मे देवेदेव ने अगली पीढ़ी की परमाणु अभियांत्रिकी को भारत के साथ संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रस्ताव किया। काँग्रेस ने अशोक चाव्हाण को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की।
- **2007** - अमेरिका में लड़ाकू विमान एफ़-16 मिसाइलरोधी प्रणाली से लैस किया गया। पाकिस्तान की सर्वोच्च न्यायालय ने आपातकाल तक मीडिया पर लगे प्रतिबन्धों को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज किया।
- **2005** - एक नये क़ानून द्वारा ब्रिटेन में समलैंगिक पुरुष (गो) और समलैंगिक स्त्री (लेस्बियन) का वैध सम्बन्ध स्थापित करने की मान्यता दी गयी।
- **2003** - चेचेन्या में ट्रेन में आत्मघाती हमले में 42 लोगों की मृत्यु, जबकि 160 घायल। राष्ट्रकुल देशों के शासनाध्यक्षों का चार दिवसीय सम्मेलन अबुजा में प्रारम्भ।
- **2001** - अफ़ग़ानिस्तान में हामिद करजई के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन पर चारों गुट सहमत।
- **2000** - अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव में जार्ज बुश के पक्ष में फैसला दिया।
- **1999** - चेचेन्या में रूस ने अस्थायी तौर पर सेना तैनात करने की घोषणा की।
- **भारतीय** सुंदरी युक्ता मुखी 'मिस वर्ल्ड' चुनी गईं।
- **1998** - रूस 2002 में भारतीय नौसेना को %क्रिवाक श्रेणी% के बहुउद्देश्यीय युद्धपोत देने पर सहमत।
- **1997** - भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी, इटली में पोम्पेली और हम्रयूलेनियम स्थल, पाकिस्तान में शेरशाह सूरी निर्मित रोहतास का क़िला और बांग्लादेश में सुंदरवन को यूनेस्को ने विश्व धरोहर में शामिल किया।
- **1993** - मुलायम सिंह यादव पुनः (उत्तर प्रदेश) के मुख्यमंत्री बने थे।
- **1992** - भारत के अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में स्थित बाबरी मस्जिद का विवादास्पद ढांचा गिरा दिया गया। इसके साथ ही भारत के अनेक हिस्सों में दंगे भड़क उठे।
- **1990** - विवादास्पद लेखक सलमान रुश्दी दो वर्ष के अंतराल के बाद पहली बार लोगों के सामने आये।

राज्यों के विधानसभा चुनावों का असर पड़ेगा राज्यसभा चुनावों पर

जयसिंह रावत

अभी-अभी सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगामी लोकसभा चुनावों पर असर पड़ेगा या नहीं, यह आने वाला वक्त ही बताएगा; लेकिन इन चुनावों का 2024 में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों पर अवश्य ही असर पड़ेगा। खासकर मध्यप्रदेश में भारी जीत से भाजपा को राज्यसभा में अतिरिक्त ताकत मिलेगी। यही नहीं भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए एकजुट हो रहे ''इंडिया गठबंधन'' पर इन चुनावों का असर दिखाई देगा।अभी-अभी सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगामी लोकसभा चुनावों पर असर पड़ेगा या नहीं, यह आने वाला वक्त ही बताएगा; लेकिन इन चुनावों का 2024 में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों पर अवश्य ही असर पड़ेगा। खासकर मध्यप्रदेश में भारी जीत से भाजपा को राज्यसभा में अतिरिक्त ताकत मिलेगी। यही नहीं भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए एकजुट हो रहे ''इंडिया गठबंधन'' पर इन चुनावों का असर दिखाई देगा।संसद के उच्च सदन में अगले वर्ष अप्रैल में 65 सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, इसलिए 245 सदस्यीय राज्यसभा का द्विवार्षिक अगले साल की शुरुआत में ही इस सदन का चुनाव होना है जो कि सदस्यों के 6 साल का कार्यकाल पूरा होने पर होता है। राज्यसभा चुनाव में विधानसभा की सदस्य संख्या के आधार पर ही विधायकों के मत मूल्य का निर्धारण किया जाता है। इससे ही तय होगा कि किस पार्टी के कितने सदस्य चुने जाएंगे। जाहिर है जिस पार्टी को ज्यादा सीटें मिलेंगी उस पार्टी के मत मूल्य अधिक होंगे और उसी पार्टी से राज्यसभा सदस्य चुना जाएगा।

इधर, पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजों से अगले साल की शुरुआत में राज्यसभा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की ताकत में और वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और महाराष्ट्र में फैली 19 सीटों पर राजनीतिक समीकरण अब बदल गए हैं। अब एनडीए, जिसके पास पहले से ही उच्च सदन में 123 का बहुमत है, उसकी संख्या में वृद्धि तय है। बढ़ी ताकत से उसे संवैधानिक संशोधन सहित कुछ महत्वपूर्ण कानून पारित करने में मदद मिलेगी।केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, एल मुरुगन (दोनों मध्य प्रदेश से), भूपेन्द्र यादव (राजस्थान), वी मुरलीधरन (महाराष्ट्र) और राजीव चन्द्रशेखर (कर्नाटक) अप्रैल 2024 में राज्यसभा में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। इनका इन विधानसभाओं में दोबारा चुनाव होना तय है। मध्य प्रदेश में पांच सीटें खाली होनी हैं। उपरोक्त दो मंत्रियों के अलावा, राजमणि पटेल और कैलाश सोनी (दोनों कांग्रेस) भी सेवानिवृत्त होंगे। एक सीट के लिए 46 विधायकों के वोटों की जरूरत है, ऐसे में कांग्रेस को इन दो सीटों में से केवल एक ही सीट मिलने की संभावना है। एक अन्य राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह (भाजपा) भी अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और भाजपा इस सीट को बरकरार रखेगी।

उच्च सदन में बीआरएस को अब बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि पार्टी के बीएल यादव, जे.संतोष कुमार और आर वद्दीराजू अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और अप्रैल में होने वाले चुनाव में पार्टी को केवल एक सीट मिलेगी। बाकी दो सीटों पर कांग्रेस को फायदा होगा। इसके अलावा, कर्नाटक से चार सीटें खाली होंगी जहां कांग्रेस ने इस साल मई में सरकार बनाई थी। कांग्रेस से जीसी चन्द्रशेखर, एल हनुमंथैया, सैयद नासिर हुसैन और केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। राज्य में भाजपा के साथ मिलकर अलग हुई राकांपा और शिवसेना की सरकार बनने के बाद महाराष्ट्र से राज्यसभा में सदस्यों की संख्या में भी बदलाव हो सकता है। एनडीए को उच्च सदन में महाराष्ट्र से अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने की संभावना है। 245 सदस्यों वाले सदन में जहां 123 बहुमत का आंकड़ा है, बीजेपी के पास 94 सदस्य हैं और उसे बीजेडी और वाईएसआरसीपी से मुद्दा-आधारित समर्थन मिलेगा। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में इस बार भाजपा को 163 सीटें मिली हैं। जबकि साल 2018 के चुनाव में भाजपा को केवल 109 सीटें मिलीं थी। बाद में ज्योर्तिआदित्य सिंधिया के अपने साथी विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो जाने से भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल गया था और कमलनाथ की सरकार गिर गई थी, इसलिए भाजपा के 4 सदस्य राज्यसभा के लिए चुने गए थे। जबकि एक सदस्य कांग्रेस की ओर से जीता था।

भाजपा की ओर से धर्मेंद्र प्रधान, कैलाश सोनी, अजय प्रताप सिंह और थावरचंद गेहलोत चुने गए थे। जबकि कांग्रेस की ओर से राजमणि पटेल चुने गए थे। अब इन सभी सदस्यों का कार्यकाल 2 अप्रैल 2024 को खत्म होने जा रहा है। मध्य प्रदेश के कोटे में 11 राज्यसभा सीटें हैं. इसमें वर्तमान में बीजेपी के पाले में 8 सदस्य हैं जबकि कांग्रेस के पास केवल तीन सदस्य हैं. इसमें दिग्विजय सिंह, राजमणि पटेल और विवेक तन्खा शामिल हैं। इसमें राजमणि की सदस्यता 2 अप्रैल 2024 को खत्म हो जाएगी। जबकि दिग्विजय सिंह की सदस्यता 21 जून 2026 को खत्म हो रही है। इसके अलावा विवेक तन्खा की सदस्यता 29 जून 2028 तक है।विधानसभा चुनाव परिणाम अक्सर राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करते हैं। कई राज्यों में किसी विशेष पार्टी का मजबूत प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर उसकी स्थिति को मजबूत करता है। दरअसल, यह बढ़ी हुई ताकत उन्हें राज्य विधानसभाओं पर अपने प्रभाव के माध्यम से राज्यसभा में अधिक सीटें हासिल करने में मदद कर सकती है। यदि चुनाव परिणामों के कारण किसी भी राज्य में गठबंधन सरकार बनती है, तो इससे राजनीतिक दलों के बीच रणनीतिक गठबंधन या पुनर्गठन हो सकता है, जिससे राज्यसभा में उनकी सामूहिक ताकत पर असर पड़ सकता है। सदस्यों की पर्याप्त संख्या राज्यसभा विधेयकों को पारित करने और विधायी कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है। यदि राज्य चुनावों के कारण राज्यसभा की संरचना में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होता है, तो यह केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित प्रमुख कानूनों के पारित होने या उसमें रुकावट को प्रभावित कर सकता है।

राज्य विधानसभा चुनावों के परिणामों के आधार पर पार्टियां अपने गठबंधनों और रणनीतियों पर पुनर्विचार कर सकती हैं। यह पुनर्मूल्यांकन उन गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है जो वे राज्यसभा चुनाव से पहले अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बनाते या तोड़ते हैं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

महर्षि अरविन्द स्मृति दिवस - 5 दिसम्बर 2023

महर्षि अरविन्द हैं आध्यात्मिक क्रांति के सशक्त हस्ताक्षर

ललित गर्ग

देश के महान क्रांतिकारियों में से एक महर्षि अरविन्द देश की आध्यात्मिक क्रांति की के सशस्त हस्ताक्षर थे। वे एक क्रांतिकारी, योगी, समाज-सुधारक, विचारक एवं दार्शनिक थे। क्रांतिकारी इसलिए की वे गरमदल के लिए प्रेरणास्त्रोत थे और दार्शनिक इसलिए की उन्होंने 'क्रमविकास' का एक नया सिद्धांत गढ़ा। दर्शनशास्त्र में जीव वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन के साथ उनका नाम भी जोड़ा जाता है। उन्हीं के आह्वान पर हजारों बंगाली युवकों ने देश की स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदों को चूम लिया था। सशस्त्र क्रांति के पीछे उनकी ही प्रेरणा थी। वे व्यक्ति नहीं, धर्म, दर्शन, योग, साहित्य साधना, संस्कृति एवं राष्ट्रीयता के प्रेरणापुरुष थे। पर हमारे सामने समस्या यह है कि हम कैसे मापे उस आकाश को, कैसे बांधे उस समन्दर को, कैसे गिने बरसात की बूंदों को? अरविन्द के क्रांतिकारी एवं आध्यात्मिक जीवन की उपलब्धियां उम्र के पैमानों से इतनी ज्यादा है कि उनके आकलन में गणित का हर फार्मूला छोटा पड़ जाता है। उन्होंने पुरुषार्थ से न केवल स्वयं का बल्कि राष्ट्र का भाग्य रचा, जो आज भी हमारे जीवन की दशा एवं दिशा बदलने में सक्षम है।

क्रांतिकारी महर्षि अरविन्द का जन्म 15 अगस्त 1872 को कोलकाता (बंगाल की धरती) में हुआ। उनके पिता के.डी. घोष एक डॉक्टर तथा अंग्रेजों के प्रशंसक थे। पिता अंग्रेजों के प्रशंसक लेकिन उनके चारों बेटे अंग्रेजों के लिए सिरदर्द बन गए। अरविन्द ने युवा अवस्था में स्वतन्त्रता संग्राम में क्रान्तिकारी के रूप में भाग लिया, किन्तु बाद में यह एक योगी बन गये और इन्होंने पांडिचेरी में एक आश्रम स्थापित किया। वेद, उपनिषद ग्रन्थों आदि पर टीका लिखी। योग साधना पर मौलिक ग्रन्थ लिखे। उनका पूरे विश्व में दर्शन शास्त्र पर बहुत प्रभाव रहा है और उनकी साधना पद्धति के अनुयायी सब देशों में पाये

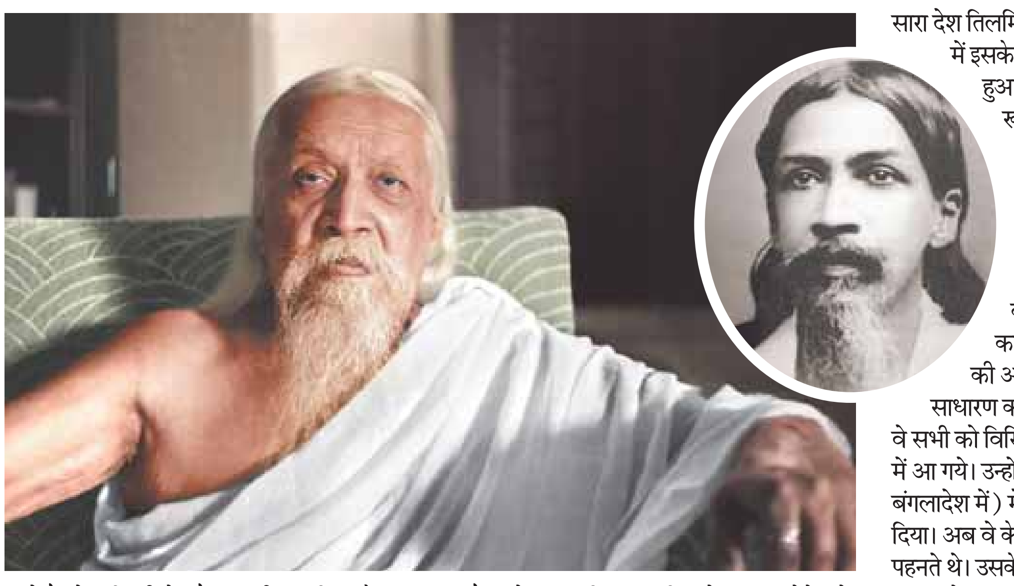

जाते हैं। वे कवि भी थे और गुरु भी। अरविन्द के पिता डॉक्टर कृष्णधन घोष उन्हें उच्च शिक्षा दिला कर उच्च सरकारी पद दिलाना चाहते थे, अतएव मात्र 7 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने इन्हें इंग्लैण्ड भेज दिया। उन्होंने केवल 18 वर्ष की आयु में ही आई0 सी0 एस0 की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। इसके साथ ही उन्होंने अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, ग्रीक एवं इटैलियन भाषाओं में भी निपुणता प्राप्त की थी। देशभक्ति से प्रेरित एवं आजादी के लिये कुछ अनूठा करने की भावना रखने वाले अरविन्द ने जानबूझ कर घुड़सवारी की परीक्षा देने से इनकार कर दिया और राष्ट्र-सेवा करने की ठान ली। इनकी प्रतिभा से बड़ौदा नरेश अत्यधिक प्रभावित थे अतः उन्होंने इन्हें अपनी रियासत में शिक्षाशास्त्री के रूप में नियुक्त कर लिया। बडौदा में ये प्राध्यापक, वाइस प्रिंसिपल, निजी सचिव आदि कार्य योग्यतापूर्वक करते रहे और इस दौरान हजारों छात्रों को चरित्रवान देशभक्त बनाया। 1896 से 1905 तक उन्होंने बड़ौदा रियासत में राजस्व अधिकारी से लेकर बड़ौदा कालेज के फ्रेंच अध्यापक और उपाचार्य रहने तक रियासत की सेना में क्रान्तिकारियों को प्रशिक्षण भी दिलाया था। हजारों युवकों को उन्होंने क्रान्ति की दीक्षा दी थी।

लार्ड कर्जन के बंग-भंग की योजना रखने पर सारा देश तिलमिला उठा, आन्दोलित हो गया। बंगाल में इसके विरोध के लिये जब उग्र आन्दोलन हुआ तो अरविन्द घोष ने इसमे सक्रिय रूप से भाग लिया। नेशनल लॉ कॉलेज की स्थापना में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। मात्र 75 रुपये मासिक पर इन्होंने वहाँ अध्यापन-कार्य किया। पैसे की जरूरत होने के बावजूद उन्होंने कठिनाई का मार्ग चुना। अरविन्द कलकत्ता आये तो राजा सुबोध मलिक की अट्टालिका में ठहराये गये। पर जन-साधारण को मिलने में संकोच होता था। अतः वे सभी को विस्मित करते हुए छक्कू खानसामा गली में आ गये। उन्होंने किशोरगंज (वर्तमान में बंगलादेश में) में स्वदेशी आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया। अब वे केवल धोती, कुर्ता और चादर ही पहनते थे। उसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय विद्यालय से भी अलग होकर अग्निवर्षी पत्रिका वन्देमातरम् का प्रकाशन प्रारम्भ किया।

'अलीपुर षडयन्त्र केस' में अरविन्द को शामिल करने के लिये सरकार की ओर से जो गवाह तैयार किया था उसकी एक दिन जेल में ही हत्या कर दी गयी। घोष के पक्ष में प्रसिद्ध बैरिस्टर चितरंजन दास ने मुकदमे की पैरवी की थी। उन्होने अपने प्रबल तर्कों के आधार पर अरविन्द को सारे अभियोगों से मुक्त घोषित करा दिया। इससे सम्बन्धित अदालती फैसले 6 मई 1908 को जनता के सामने आये। 30 मई 1909 को उत्तरपाड़ा में एक संवर्धन सभा की गयी वहाँ अरविन्द का एक प्रभावशाली व्याख्यान हुआ जो इतिहास में उत्तरपाड़ा अभिभाषण के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने अपने इस अभिभाषण में धर्म एवं राष्ट्र विषयक कारावास-अनुभूति का विशद विवेचन किया। उन्होंने कहा था चाहे सरकार क्रांतिकारियों को जेल में बंद करे, फांसी दे या यातनाएं दे पर हम यह सब सहन करेंगे और यह स्वतंत्रता का आंदोलन कभी रूकेगा नहीं। एक दिन अवश्य आएगा जब अंग्रेजों को हिन्दुस्तान छोड़कर जाना होगा। यह इत्तेफाक नहीं है कि 15 अगस्त को भारत की आजादी मिली और इसी दिन उनका जन्मदिन मनाया जाता है।

अरविंद का देहांत 5 दिसंबर 1950 को हुआ। बताया जाता है कि निधन के बाद चार दिन तक उनके पार्थिव शरीर में दिव्य आभा बने रहने के कारण उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया और अंततः नौ दिसंबर को उन्हें आश्रम में समाधि दी गयी। उनकी आध्यात्मिकता एवं राष्ट्रीयता दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू थे। जो भी उनकी राष्ट्रीयता की छांव में आता, देश के लिये बलिदान होने को तत्पर हो जाता है और जो भी उनकी आध्यात्मिकता की छांव में आता, विभाव स्वभाव में बदल जाता। उस आभावलय का प्रभाव ही विलक्षण एवं अनूठा था कि व्यक्ति भीतर से रू-ब-रू होने लगता। स्वयं की पहचान में उसे शब्द नहीं तलाशने पड़ते। जरूरत इस बात की है कि हम योगी अरविन्द को भौतिक चमत्कारों से तोलने का मन और माहौल न बनायें बल्कि उन्हें जीकर देखें तो सही, आचरण स्वयं चमत्कार बन जायेगा। उनके बताये मार्ग का अनुसरण करें, यही उस दिव्य आत्मा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

नर्मदापुरम में ईमान बदलू कार्यकर्ता..अब घर के रहे ना घाट के

जो डॉक्टर सीताशरण शर्मा का विरोध कर रहे थे अब वो ही दे रहे हैं फोटो शेयर करके शुभकामनाएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कहते हैं राजनीति में किसी का ईमान नहीं होता है मतलब के लिए अपने सारे सिद्धांत को ताक में रखकर लोग अपने स्वार्थ को सिद्ध करने में लग जाते हैं।कुछ ऐसा ही हाल अब नर्मदापुरम विधानसभा क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

चुनाव के दौरान बहुत से भाजपा कार्यकर्ता भाजपा विधायक डॉक्टर शर्मा के खिलाफ एक निर्दलीय प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में अपनी ताकत झोंक रहे थे. और सीना ठोक कर कह रहे थे कि इस बार तो डॉक्टर साहब को घर बैठा देंगे. लेकिन समय के प्रभाव ने इन विरोधियों के मुंह पर ताला लगा दिया है. अब इन के मुंह खुलते हुए नहीं दिखाई दे रहे हैं बल्कि चेहरे छुपाते हुए नजर आ रहे हैं. कल तक जो उनके विरोध में थे अब जीतने के बाद वो ही लोग उनकी फोटो शेयर करके सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ऐसा नहीं की विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा को इन जयचंदों के बारे में कुछ जानकारी नहीं है। बल्कि वह संयमी और शांत राजनेता की तरह अपने काम में जुट गए हैं. उन्होंने अपने विशाल हृदय का परिचय देकर इन लोगों को क्षमा भले ही कर दिया लेकिन भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं के मन में यह बात हमेशा के लिए घर कर जाएगी कि इनको कभी माफ नहीं करना चाहिए।

जयचंदों को भाजपा से निष्कासित किया जाना चाहिए

भाजपा के जिन कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी के विरोध में जाकर एक निर्दलीय के पक्ष में भाजपा का विरोध करने का बीड़ा उठाया उन्हें भाजपा से निष्कासित किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसे कार्यकर्ताओं की भाजपा को आवश्यकता है ही नहीं। यदि कार्यकर्ता पार्टी में शामिल रहे तो आगामी लोकसभा चुनाव में भी यह लोग अपनी करतूत से बाज नहीं आएंगे।

कुछ भूमाफिया जानते थे कि डॉक्टर सीता शरण शर्मा एक ईमानदार विधायक हैं और वह भू माफिया तथा अन्य प्रकार के माफिया को संरक्षण देने में कतई रुचि नहीं रखते हैं. ऐसे में यदि डॉक्टर साहब चुनाव जीत गए तो इन भू माफियाओं का क्या होगा. बस यही बात इन लोगों के मन में खटकने लगी और इन्होंने एक निर्दलीय का साथ देकर भाजपा को हराने के हर संभव कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके।

कांग्रेस से बागी हुए पूर्व विधायक ने किया भाजपा विधायक का स्वागत

भाजपा विधायक की जीत पर समर्थकों ने निकाला जुलूस

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नर्मदा पुरम की चारों विधानसभा पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों ने अपनी अपनी जीत हासिल की है और पूरे नर्मदा पुरम में कमल खिला दिया या यूं कहें कि चारों विधायकों की कार्य शैली का ही परिणाम रहा की जनता ने उन्हें चारों विधायक वापस दूसरी बार भी इस विधानसभा चुनाव जीतवाकर विधानसभा तक पहुंचाया वहीं दूसरी ओर सिवनी मालवा विधानसभा की जनता ने पूरे नर्मदा पुरम संभाग में सबसे ज्यादा सिवनी मालवा विधानसभा में प्रेम शंकर वर्मा को ऐतिहासिक मतों से जीतवाकर विधानसभा पहुंचाया है। जीतने के बाद सोमवार के दिन विधायक अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ उपनगरी बानापुरा से हनुमान मंदिर तक भव्य जुलूस निकाला गया जीत के जश्न में डूबी सिवनी मालवा नगर की

जनता ने अपने विधायक पर पुष्प वर्षा कर हार पहनाकर आतिशबाजी की गई।

जब यह जुलूस कांग्रेस के दिग्गज नेता स्वर्गीय दादा हजारीलाल रघुवंशी के घर के सामने से निकला तो पहले से ही खड़े स्वागत के लिए कांग्रेस से बागी हुए ओमप्रकाश रघुवंशी के निवास पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक का जमकर स्वागत किया गया स्वागत का दौर पूरे शहर में होता रहा वही विधायक ने हनुमान मंदिर और राम जानकी मंदिर पहुंचकर भगवान का आशीर्वाद लिया उसके बाद विधायक ने आम सभा को भी संबोधित किया उन्होंने कहा कि सिवनी मालवा क्षेत्र की जनता ने मुझे जो अत्यधिक मतों से विजय हासिल करवाई है मैं उनका उतना ही ऋणी बन गया हूं और अब अधिक से अधिक क्षेत्र में विकास कार्य हो यह अब मेरा दायित्व बनता है।

परिवहन विभाग और शोरूम संचालकों की सांठ गांठ तो नहीं..?

जो नंबर प्लेट रू.400 में बनती थी अब मांग रहे हैं रू.1500

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

15 दिसंबर तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के निर्देश को लेकर वाहन चालक शोरूम के चक्कर लगा रहे हैं. शोरुम वाले मन माने पैसा लेकर प्लेट लगा रहे हैं और रसीद भी नहीं दे रहे हैं।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी निशा चौहान द्वारा बताया गया था कि जबलपुर में लगी याचिका के आधार पर हाई कोर्ट द्वारा सभी गाड़ियों में जो 2017 के पहले शो रूम से उठी हैं। उन वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के अनुसार क्षेत्रीय कार्यालय में लगभग 1,25,000 ऐसे वाहन रजिस्टर्ड है जिनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है उनमें नंबर प्लेट लगना अनिवार्य है।

आपको बता दे कि जब क्षेत्रीय परिवहन ऑफिस बस स्टैंड के बाजू में था उसे दौरान किसी कंपनी द्वारा जिसका हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट बनाने का ठेका था उन्होंने चार पहिया वाहन के लगभग रू. 400 एवं दोपहिया वाहन के रू. 200 के लगभग शुल्क चार्ज किया था। अब जबकि क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दी गई जानकारी उपरांत 15 दिसंबर के बाद चेकिंग की खबर लगने के बाद वाहन चालक जब शोरूम पर जा रहे हैं तो वहां पर शोरूम शोरूम पर चार पहिया वाहन के दो नंबर प्लेट बनाने के रू. 1500 चार्ज की बात कर रहे हैं, जिसकी रसीद भी नहीं दी जा रही है। ऐसा है तो क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को इन लोगों को उचित रेट के लिए निर्देश देना चाहिए। इसके पहले क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने सभी शो रूम के प्रतिनिधियों को जानकारी भी दी थी। जबकि उक्त नंबर प्लेट के लिए वेबसाइट पर ऑर्डर आसानी से नहीं हो पा रहे हैं। अब क्योंकि 15 दिसंबर नजदीक है फिर कैसे लग पाएगी सभी वाहनों में नंबर प्लेट और रही दूसरी बात तो कुछ कंपनियों के शोरूम भी बंद हो चुके हैं। इस संबंध में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी निशा चौहान ने बताया कि किसी भी अन्य शोरूम पर जाकर नंबर प्लेट बनवा सकते हैं लेकिन सवाल यही उठ रहा है कि जो नंबर प्लेट पहले रू. 400 में बनी थी अब उनके रू. 1500 क्यों लग रहे हैं।

आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

6 दिसंबर से 8 जनवरी तक ऑनलाइन भरे जा सकेंगे आवेदन, 11 फरवरी को आयोजित होगी परीक्षा

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा मध्यप्रदेश स्पेशल एण्ड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी भोपाल अंतर्गत संचालित विशिष्ट आवासीय विद्यालयों (कन्या शिक्षा परिसर, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एवं आदर्श आवासीय विद्यालय) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा आवेदन दिनांक 06 दिसम्बर 2023 से विभागीय MPTAASC PORTAL पर ऑनलाइन आमंत्रित किये जा रहे है। उक्त आवेदन की अंतिम तिथि 08 जनवरी 2024 निर्धारित है। प्रवेश परीक्षा दिनांक 11 फरवरी 2024 को निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जावेगी।

विशिष्ट संस्थाओं में प्रवेश हेतु कक्षा 5 वीं में अध्ययनरत जनजातीय वर्ग, विशिष्ट पिछडी जनजाति, विमुक्त जनजातियां, घुमक्कड एवं अर्द्व घुमक्कड समुदाय के अलावा वे बच्चे जिन्होनें अपने माता-पिता को वामपंथी उग्रवाद/उग्रवाद/कोविड आदि के कारण खो दिया है तथा दिव्यांग एवं दिव्यांग माता-पिता की संतान, निराश्रित या भूमिदाता (जिन्होने विद्यालय भवन हेतु भूमि दान की है) एवं ट्रांसजेण्डर विद्यार्थियों के आवेदन कराये जा सकते है। पात्र विद्यार्थी विभागीय MPTAASC PORTAL की बेवसाइट-https:// www.tribal.mp.gov.in/MPTAASC पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि रहे उपस्थित

स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई पोल्ड ईवीएम मशीन, स्ट्रॉन्ग रूम किया गया सील

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं की मतगणना रविवार को जिला मुख्यालय स्थित आईटीआई नर्मदापुरम में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतगणना उपरांत पोल्ड ईव्हीएम मशीनों को मतगणना स्थल पर सील किया गया। इसके उपरांत आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह की उपस्थिति में कलेक्टोरेट परिसर के तवा भवन स्थित स्ट्रांग रूम में इन ईवीएम मशीनों को रखा गया और स्ट्रांग रूम सील बंद करने की कार्यवाही की गई। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नर्मदापुरम देवेंद्र कुमार सिंह, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कुबेर सिंह मिर्धा, निर्वाचन सुपरवाइजर कैलाश दुबे तथा राजनैतिक दलों अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली से प्रभावित हुए त्रिपुरा राज्य के संचालक

क्रियान्वयन व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत को देखा

विदिशा , दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में क्रियान्वित सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बारिकियों का आज त्रिपुरा के खाद्य संचालक निर्मल अधिकारी ने भ्रमण सहअवलोकन और हितग्राहियों से संवाद कर जाना है।

गौरतलब हो कि निर्वाचन आयोग द्वारा शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री निर्मल अधिकारी ने निर्वाचन परिणामों की घोषणा उपरांत दुसरे दिन त्रिपुरा राज्य जाने से पहले विदिशा जिले में पीडीएस वितरण प्रणाली का अंतरीय अध्ययन उपरांत त्रिपुरा में भी लागू कर उक्त व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाने की पहल के उद्देश्य से भ्रमण किया गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि विदिशा जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंर्तगत संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों का भ्रमण कर मध्यप्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की संचालन व्यवस्था के विषय में जानकारी प्राप्त की गई।

त्रिपुरा के खाद्य संचालक श्री अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्र की शासकीय उचित मूल्य दुकान कुआखेड़ी, डाबर तथा नगरीय क्षेत्र में प्रियदर्शिनी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री निर्मल अधिकारी ने उचित मूल्य दुकानों में भंडारित खाद्यान्न (गेंहू, फोर्टीफाइड चावल, शक्कर, फोर्टीफाइड नमक) की गुणवत्ता का परीक्षण किया। साथ ही खाद्यान्न उठाव, प्रदाय एवं वितरण की प्रक्रिया की सूक्ष्मता से समीक्षा की गई।

त्रिपुरा के खाद्य संचालक श्री अधिकारी ने उचित मूल्य दुकानों में उपस्थित हितग्राहियों से चर्चा की एवं संचालित व्यवस्था के संबंध में प्रतिपुष्टि की गई।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना की भी जानकारी देते हुए अवगत कराया कि विदिशा जिले में कुल 17 सेक्टर में राशन परिवहन हेतु युवाओं को ऋण पर वाहन उपलब्ध कराए गए हैं।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने प्रदेश में संचालित कुल उचित मूल्य दुकानें, संलग्न परिवार, परिवार श्रेणियां, वितरण किए जा रहे खाद्यान्न की मात्रा, बायोमेट्रिक वितरण, मॉनिटरिंग, निरीक्षण व्यवस्था इत्यादि के विषय में विस्तार से जानकारी से अवगत कराया।

त्रिपुरा के खाद्य संचालक श्री अधिकारी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंर्तगत राशन दुकानों की संचालन व्यवस्था की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए त्रिपुरा राज्य में पीडीएस वितरण प्रणाली को और अधिक जनहितैषी बनाए जाने हेतु यहां के उपायों का भी उपयोग कर त्रिपुरा राज्य में भी प्रभावी बनाया जाएगा जिससे संबंधितों को समय पर अनाज मिल सकेगा।

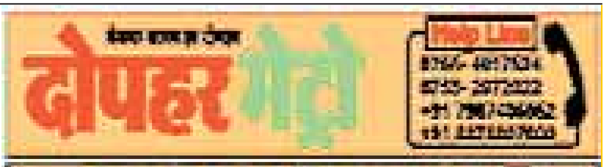

सिरोंज में झोला छाप डॉक्टरों का जलजला, एक महिला डॉक्टर करती है गर्भपात का कार्य, संबधित विभाग के अधिकारी है मौन

सईस खान, सिरोंज।

सिरोंज की सियासत के विषय में कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। यहां का मौसम , वातावरण कभी ठंडा तो कभी गर्म यानि उतार चढाव होता रहता है। कभी राजनैतिक नेताओं का दबदबा तो कभी अधिकारी कर्मचारियों की मनमानी से क्षेत्र के लोग परेशान रहते है, पर इन दिनों झोला छाप व एक महिला चिकित्सक मरीजों की गुमराह कर पैसा कमाने में लगे हुए है या यूं कहा जाए कि इन झोला छाप डॉक्टरों में पैसा कमाने की होड़ लगी दिखाई देती है। इनके कार्यो में न जनप्रतिनिधि, ना पक्ष विपक्ष के नेतागण और न संबधित विभाग के अधिकारी दखल देते है, जिसके परिणाम स्वरूप शहर और ग्रामीण क्षेत्र में पसरे इन झोला छाप डॉक्टरों का जलजला वर्करार है।

बिना डिग्री, बिना रजिस्टेशन के चल रहे है क्लीनिक

शहर में चर्चा है कि दर्जनों क्लीनिक बिना डिग्री, बिना रडिस्टेशन के बिना किसी डर भय के दिन दहाड़े चल रहे है। कई क्लीनिक ऐसे भी जहां दबाईयों का भी विक्रय किया जाता है। और कई किलीनिक ऐसे भी है जो चिकित्सक के यहां चार छह माह कार्य करते है और फिर अपना स्वयं का क्लीनिक खोल लेते है।

मौसमी बीमारियों के बढ़ रहे है मरीज

इस दौरान मौसमी बीमीरियों के साथ डेंगू का भी प्रकोप पूरी तरह से घर घर में दस्तक दे रहा है, सर्दी,जुखाम, खांसी आदि के मरीजों की तादात में हर रोज इजाफा हो रहा है। ऐसे हालातों में झोला छाप डॉक्टरों में पैसा कमाने का सीजन अगया है।

सिरोंज क्षेत्र में करीब 180 क्लीनिक से भी ज्यादा संचालित है

इन झोला छाप क्लीनिकों में 100 से ऊपर क्लीनिक ऐसे है जो बिना डिग्री, बिना रजिस्ट्रेशन पंजीयन के संचालित है। शिकायत के बाद भी इन झोला छाप डॉक्टरों पर कोई कार्रवाई का ना होना, विचारणीय और चिंतनीय विषय है।

सिरोंज के आठ छात्र-छात्राएं राज्य स्तरीय अंडर 19 हॉकी प्रतियोगिता मैं खेलने उमरिया रवाना

सिरोंज। राज्य स्तरीय शालेय अंडर-19 हॉकी प्रतियोगिता दिनांक 05.12.2023 से 09.12.2023 तक उमरिया मैं आयोजित हो रही है जिसमें भाग लेने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कुमारी नंदनी त्यागी, राधिका सेन, शिवानी, मुस्कान और सी राइस स्कूल सिरोंज के छात्र जैब खान, रविंद्र कुशवाहा, गौरव प्रभाकर एवं ईशान अली शाह का चयन किया गया है आज सुबह यह सभी प्रतियोगिता में भाग लेने सिरोंज से रवाना हुए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी उमेश कुमार सोनी, स्कूल के प्राचार्य महेश कुमार ताम्रकार, सोनू श्रीवास्तव, खेल शिक्षक शान मियां, जमशेद खान, केशव शर्मा, प्रगति केवट, दीक्षा शर्मा एवं संस्था के समक्ष स्टाफ और नगर के खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

कोहरे के साथ शीतलहर ने बढ़ाई सर्दी, एक सप्ताह से छाए हुए हैं बादल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछ्ला एक एक सप्ताह से मौसम हुऐ बदलाव के बाद आसमान पर बादलों में डेरा जमाया हुआ है, मौसम साफ होने का नाम नहीं ले रहा है इसके चलते सुबह की शुरुआत घने कोहरे से होती है वाहकों को अपनी गाड़ियों की हेडलाइट जलाकर वाहनों को चलाना पड़ता रहा है कुछ दिनों से सूर्य देवता के दर्शन भी नहीं हो रहे हैं, ।वहीं सोमवार को दोपहर के बाद शीला लहर प्रारंभ होने से सर्दी का असर भी बढ़ गया है इसकी वजह से लोग आग जलाकर हाथ सेकते हुए नजर आए आने वाले दिनों में और भी सर्दी पड़ने का अनुमान मौसम विभाग के द्वारा जताया जा रहा है। तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सूर्य देवता के दर्शन नहीं होने के कारण सर्दी के असर मैं वृद्धि हो रही है । इन दोनों गर्म कपड़ों की मांग भी बाजार में बढ़ गई है। जिनको खरीदने के लिए बाजार में ग्राहकों की भीड़ भी पहुंच रही है। गर्म कपड़ों के दामों में भी वृद्धि देखने को मिल रही है। सर्दी पड़ने से फसलों को जरूर फायदा होता हुआ दिखाई दे रहा है , इस साल बारिश कम होने के कारण पानी की समस्या का सामना किसानों को करना पड़ रहा है। मौसम मैं हुए बदलाव के बाद हल्की बारिश के साथ ठंड बढ़ने से फसलों में रौनक देखने को मिल रही है। यदि इस समय अच्छी बारिश हो जाती तो किसानों को पानी की समस्या से छुटकारा मिल जाता पर ऐसा नहीं हो रहा है। आसमान पर घने बादल तो छाए हुए पर बरसने का नाम नहीं ले रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने हार स्वीकारी, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों का जताया आभार

हार में अधिकांश दावेदारों की भी रही भूमिका, नहीं बचा सके पोलिंग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने अपनी हार स्वीकार करते हुए सिरोंज लटेरी क्षेत्र की जनता जनार्दन और कार्यकर्ता तथा चुनाव में सहयोग करने वाले सभी लोगों का उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के निर्णय को हम मंजूर करते हैं। में सेवक रूप में सिरोंज लटेरी क्षेत्र की जनता जनार्दन की इसी तरह सेवा करता रहूंगा ।

कांग्रेस का भविष्य अंधकार में कई दावेदार नहीं बचा पाये अपनी-अपनी पोलिंग विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस की तरफ से 35 के करीब दावेदार सक्रीय होकर चुनाव लड़ने की हुंकार भर रहे थे पर जैसे ही कांग्रेस पार्टी ने कर दिया रघुवंशी को उम्मीदवार घोषित किया तो अधिकांश दावेदारों ने काम करना उचित नहीं समझ इनको मनाने के लिए भी कांग्रेस प्रत्याशी ने सभी तरह के प्रयास किए पर उनके प्रयास विफल हो गए उसी का परिणाम है कि इतने लंबे वोटो से कांग्रेस को इतना अच्छा उम्मीदवार होने के बाद भी इतने अधिक वोटो से हार का सामना करना पड़ा। कई दावेदार तो ऐसे भी उनके द्वारा उल्टा कांग्रेस को हरवाने का काम किया गया इस तरह से बत्ती देने का खेल अधिकांश चुनाव में कांग्रेस में देखने को मिलता है। दूसरी ओर कई दिग्गज कांग्रेसी अपने-अपने क्षेत्र की पॉलिंगो को भी नहीं बचा पाए हैं। इसको लेकर लेकर भी चर्चा हो रही है । आखिर इसी तरह कांग्रेस में बत्ती देने का खेल चलता रहा तो यहां पर कांग्रेस का भविष्य भी अंधकार में होता हुआ दिखाई दे रहा है । क्योंकि जब भी कांग्रेस में टिकट किसी एक को मिलता है तो बत्ती देने का काम कई और करते हैं इसके पीछे कई कांग्रेसियों की सोच होती है कि यदि जिस व्यक्ति को पार्टी ने टिकट दिया है वह चुनाव जीत का विधानसभा पहुंच गया तो हमारा नंबर नहीं आ पाएगा इस कारण से एक दूसरे हरवाने का खेल चलता है। यह समझ में किसी को नहीं आ रहा है कि आज इसके विरोध में काम करेंगे तो कल जब स्वयं को टिकट मिलेगा तो दूसरा व्यक्ति इनमें बत्ती देने का काम करेगा इसी कारण से कांग्रेस यहां पर मजबूत होने के बाद भी अधिकांश बार हारती है ।

संगठन कर्मियों को करेगा दूर या नहीं

प्रदेश संगठन हर की समीक्षा के बाद बत्ती देने वाले नेताओं पर कार्रवाई करने की हिम्मत उठा पाएगा या नहीं क्योंकि जब तक बत्ती देने वालों पर लगाम नहीं लगेगी तब तक कांग्रेस यहां पर मजबूत होने के बाद भी इसी तरह हारती रहेगी।

पूर्व सीएम की सभा के बाद भी लटेरी से हुई बड़ी हार

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के द्वारा लटेरी की सभा में दी गई चेतावनी का भी अधिकांश कांग्रेसियों में असर नहीं हुआ है उन्होंने कांग्रेस जिताने के लिए सभी कांग्रेस के दावेदारों और नेताओं को सक्रीय होकर काम करने के लिए कहा था सात उन्होने बोला था मैं एक-एक पोलिंग को स्वयं देखूंगा कहां-कहां से कांग्रेस को जीत मिलेगी और और जहां से मजबूत होगी, वहां से वही नेता होगा पर उनकी इस चेतावनी का अधिकांश दावेदार और नेताओं पर असर नहीं हुआ उल्टा यहां पर कांग्रेस को बड़ी हार का सामना भी इस क्षेत्र से करना पड़ा जिसमें कई अपने आप को बड़ा नेता भी कहते हैं । अब देखना है कि ऐसा करने वालों पर प्रदेश संगठन के द्वारा कोई कार्रवाई की जाएगी या नही।

लाडली बहनों ने कर दिया कमाल

प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही लाडली बहन योजना ने कांग्रेस के दावेदारों को चारों खाने चित कर दिया जिस तरह से चुनाव में लाडली बहनों ने चुपचाप अपना मत भाजपा को देखकर उम्मीदवारों को जिता दिया इसकी कल्पना अधिकांश लोगों को नहीं थी जो कल्पना लाडली बहनाओं ने करके दिखाई प्रदेश में एक तरफ भाजपा प्रचंड विजय हुई है । वहीं विधानसभा चुनाव से पहले 10 तारीख को लाडली बहनाओं के खातों में राशि आई इससे बहनों को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर पूरा भरोसा हो गया था वहीं 2018 में जब कांग्रेस की सरकार आई थी तो तब राहुल गांधी ने कहा था कि 10 दिन में किसानों का कर्ज माफ कर देंगे नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री बदल देंगे पर ऐसा नहीं अधिकांश किसानों का 2 लाख तक का कर्ज माफ नहीं हुआ था इस वजह से जनता जनार्दन कांग्रेस की बात का भरोसा भी नहीं कर पाए सरकार बनने के बाद 1500 देने का वचन दे रहे थे।

पुरूष नसबंदी पखवाड़े के तहत उत्कृष्ट कर्मचारियों को किया गया सम्मानित, नव दंपत्ति को नई पहल किट का वितरण किया

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

पुरूष नसबंदी पखवाड़ा-2023 (21 नवंबर से 04 दिसंबर 2023) का समारोह पूर्वक समापन सीएमएचओ कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सुधीर कुमार डेहरिया तथा जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. मालती आर्य द्वारा परिवार कल्याण सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों, नसबंदी सर्जन को सम्मानित किया गया एवं नव दंपत्ति का नई पहल किट प्रदान की गई। वहीं पुरुष नसबंदी हितग्राहियों को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया।

सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि वर्ष 2023-2024में उत्कृष्ट सर्जन के लिए स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता परमार जिला चिकित्सालय, डॉ. मधु शर्मा सिविल अस्पताल इछावर तथा सिविल अस्पताल भैरूंदा से सर्जन डॉ. रूकमणी गुलहारिया को सम्मानित किया गया। वर्ष 2023-2024 में सर्वाधिक महिला नसबंदी कराने के लिए उत्कृष्ट प्रेरक सम्मान एएनएम शांति वर्मा रेहटी, मिथिलेस नरवरिया इछावर, श्रीमती सुनीता पटेल उलझावन, श्रीमती ज्योति सोलंकी सीहोर, श्रीमती अनीता उचाड़िया आष्टा को प्रदान किया गया। एन. एस.व्ही.केस प्रेरक के लिए आशा कार्यकर्ता रक्षा शर्मा, सुनीता सोनी, राजेश्वरी पंवार, श्रीमती फूलकुंवर, संगीता प्रजापति एवं गोदावरी को सम्मानित किया गया। पुरूष नसबंदी के लिए प्रेरणा सम्मान अनुज वर्मा, राहुल महेश वर्मा तथा अखिलेश कुमार को सम्मानित किया गया। नई पहल फिट नव दंपत्ति श्रीमती प्रीति मनीष, रिया रजनीश, जेवा जेनूल को प्रदान की गई तथा प्रेरक सम्मान आशा कार्यकर्ता भारती राठौर, पदमा राठौर तथा पदमा राठौर को प्रदान किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ ने सभी को वर्ष 2023-2024 के लिए राज्य स्तर से जिले को प्राप्त महिला/पुरुष नसबंदी का लक्ष्य निर्धारित समायावधि में पूर्ण करने के लिए कहा एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए सभी को बधाई दी।

एसडीएम धान खरीदी एवं खाद वितरण की सतत मॉनिटरिंग करेंगे: कलेक्टर

धान खरीदी में किसानों को कोई असुविधा न हो

नर्मदापुरम। जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। सभी डबल लॉक केंद्रों से किसानों को खाद का सुचारू रूप से वितरण किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी एसडीएम को दिए। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में खाद वितरण और धान खरीदी की नियमित मॉनिटरिंग करें। खरीदी केंद्रो का सतत निरीक्षण करते रहें। खरीदी में किसानों को कोई असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित प्रकरणों का भी निराकरण कराएं। उन्होंने कहा कि सभी तहसील मुख्यालय पर पटवारी की बैठक बुलाई जाए। स्वामित्व योजना के तहत ग्राउंड ट्रूथिंग का कार्य शतप्रतिशत पूर्ण कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सीमांकन के प्रकरणों की भी तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने सिवनीमालवा, सोहागपुर और पिपरिया को सीमांकन के प्रकरणों के निराकरण में विशेष ध्यान देने की निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देशित किया कि सीमांकन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री एसएस रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | सलाह: गेंहूं फसल में जड़ माहू कीट लगने पर दवाओं का छिड़काओं करें

गेंहूं के पौधे के जड़ भाग में माहू कीट, सम्पूर्ण फसल को नष्ट करने की रखता है क्षमता

सीहोर , दोपहर मेट्रो।

हाल ही में वर्षा होने के कारण गेंहूं में जड़माहू कीट एवं विभूति आदि किटों का प्रभाव कम हुआ है। फिर भी यदि गेंहू में जड़माहू किट का प्रभाव एवंगेंहू में पिलापन दिख तों दवा का छिड़काव जरूर करें। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा वर्षो की भाँति इस वर्ष भी गेंहूं फसल में जड़ माहू कीट का प्रकोप दिखाई दे रहा है। गेंहूं फसल के खेतों में अनेक स्थानों पर पौधे पीले होकर सूख रहे हैं। समय पर निदान न किये जाने पर इस कीट द्वारा गेंहूं फसल में बड़ी क्षति की सम्भावना रहती है। जड़ माहू कीट गेंहूं के पौधे के जड़ भाग में चिपका हुआ रहता है, जो निरन्तर रस चूसकर पौधे को कमजोर व सुखा देता है। प्रभावित खेतों में पौधे को उखाड़कर ध्यान से देखने पर बारीक-बारीक हल्के पीले, भूरे व काले रंग के कीट चिपके हुए दिखाई देते हैं। मौसम में उच्च आर्द्रता व उच्च तापमान होने पर यह कीट अत्यधिक तेजी से फैलता है। अनुकूल परिस्थितियाँ होने पर यह कीट सम्पूर्ण फसल को नष्ट करने की क्षमता रखता है।

कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, सेवनिया के वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी तक गेंहूं फसल की बुवाई नही की गयी है, वहाँ पर बुवाई से पूर्व इमिडाक्लोरोप्रिड 48 प्रतिशत, एफएस. की 01 मिली. दवा अथवा थायोमेथॉक्जॉम 30 प्रतिशत, एफएस दवा की 1.5 मिली मात्रा प्रति किलोग्राम की दर से बीज उपचार अयवश्य करें। जिन क्षेत्रों में बुवाई कार्य पूर्ण किया जा चुका है व कीट प्रकोप के लक्षण प्रारम्भिक अवस्था में हैं वहाँ किसान भाई इमिडाक्लोरोप्रिड़ 17.8 एसएल की 80 -100 मिली. मात्रा अथवा थायोमेथॉक्जॉम 25 प्रतिशत डब्लूपीकी 80 ग्राम मात्रा अथवा एसिटामाप्रिड 20 प्रतिशत एसपी दवा की 60 ग्राम मात्रा प्रति एकड़, 150-200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें या किसान भाई थायोमेथॉक्जॉम 30 प्रतिशत कीटनाशक की 250 मिली मात्रा को 50 किलो यूरिया खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

टी-20 वर्ल्ड कप: टॉप ऑर्डर बल्लेबाजी और स्पिन के विकल्प मिले

मुंबई, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खत्म हुई टी-20 सीरीज में रोहित, कोहली, बुमराह, स्टार्क, वॉर्नर, स्मिथ जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी नहीं थे। इनकी गैरमौजूदगी में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ऑडिशन दिया। जानते हैं दोनों टीमों के ऐसे 5 खिलाड़ियों के बारे में, जिन्होंने विंडीज-अमेरिका में अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप में खेलने के लिए दावा ठोका। रवि बिश्नोई 5 मैच में 9 विकेट झटके व प्लेयर ऑफ द मैच रहे। इकोनॉमी रेट 8.20 की रही। वे अक्षर, कुलदीप, जडेजा, अश्विन को चुनौती दे सकते हैं। 21 टी20 में 17.38 की औसत व 7.14 की इकोनॉमी से 34 विकेट लिए हैं। बेहरेनडोर्फ जेसन को कमिंस, हेजलवुड, स्टार्क के कारण स्थाई जगह नहीं मिल पाती थी। इस सीरीज से खुद को साबित किया। 4 मैच में 6 विकेट झटके। इकोनॉमी महज 6.68 की रही, जो सभी ऑस्ट्रेलियन बॉलर्स में बेस्ट रही। रिंकू सिंह मैच की सीरीज में स्ट्राइक रेट 175 रही, किसी अन्य बैटर से ज्यादा। आखिरी कुछ ओवर्स में जो चौके-छक्के जमाए, उसने स्कोर में 15-20 रन ज्यादा जोड़े। वे सलेक्टर्स की फिनिशर की तलाश खत्म करेंगे।

ऋतुराज भारतीय शतकवीर सूची में शामिल

ऋतुराज गायकवाड दाएं हाथ के बैटर ने तीसरे मैच में 123* रन बनाकर खुद को टी20 के भारतीय शतकवीर की सूची में शामिल कराया। सीरीज में 223 रन बनाए और अब वे टी20 वर्ल्ड कप में ओपनिंग के अच्छे विकल्प हो सकते हैं। तनवीर संघा 5 मैच में 5 विकेट लिए। सीरीज के दौरान उन्होंने काफी किफायती इकोनॉमी से गेंदबाजी की। वे टी20 वर्ल्ड कप में जाने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से बैकअप स्पिनर के सबसे उपयुक्त विकल्प नजर आ रहे हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम पहुंचे भोपाल, लीग से जुड़ी जानकारी दी

19 जनवरी से शुरू होगा आईएलटी-20 का सीजन-2, छह टीमें लेंगी हिस्सा

भोपाल, एजेंसी

आईएलटी 20 एक फ्रेंचाइजी बेस टी-20 लीग है, जिसे अमीरात क्रिकेट बोर्ड करवाता है। लीग में 6 फ्रेंचाइजी की टीमें हिस्सा लेती हैं। 19 जनवरी 2024 से लीग का दूसरा सीजन शुरू होगा। पहले सीजन का खिताब गल्फ जाइंट्स ने जीता था। टीम ने 12 फरवरी 2023 को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में डेजर्ट वाइपर्स को 7 विकेट से हराया था।

लीग की ट्रॉफी भी खास है

सबा करीम ने कहा- इंटरनेशनल लीग की ट्रॉफी यूनिक है। इसमें यूएई की खूबसूरती को दर्शाने का प्रयास किया गया है। दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा की हाईट से मिलती-जुलती इसकी भी हाइट रखी गई है। बुर्ज खलीफा की ऊंचाई 830 मीटर है, इसे मिलीमीटर में कन्वर्ट कर ट्रॉफी की ऊंचाई 830 मिलीमीटर रखी गई। इस पर बना 7-पॉइंट क्राउन यूएई के 7 राज्यों की यूनिटी को दर्शाता है। जबकि 12.2 किलोग्राम का वजन यूएई के गौरव का प्रतीक है, क्योंकि 2 दिसंबर (12वें महीने का दूसरा दिन) को यूएई का नेशनल-डे मनाया जाता है। इसी दिन इस साल का ट्रॉफी टूर भी शुरू किया गया।

इंटरनेशनल लीग टी-20 (आईएलटी-20) का दूसरा सीजन 19 जनवरी से 17 फरवरी तक यूएई में खेला जाएगा। इस बार डेविड वॉर्नर, कायरन पोलार्ड और अंबाती रायडू जैसे सितारे भी खेलते नजर आएंगे। लीग से जुड़े पूर्व भारतीय क्रिकेट सबा करीम ने यह जानकारी भोपाल में दी। सबा इस समय आईएलटी-20 की ट्रॉफी के साथ भारत के अलग-अलग शहरों के विजिट पर हैं।

इंटरनेशनल लीग टी-20 का फॉर्मेट

बताया गया कि इंटरनेशनल लीग टी-20 लीग इंडियन प्रीमियर लीग जैसे फॉर्मेट में खेली जाती है। मुकाबले 3 मैदानों पर होने हैं। सभी टीमों को आपस में लीग मैच खेलने होते हैं। लीग राउंड में पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें के बीच क्वालिफायर-1 होता है, जबकि तीसरे और चौथे नंबर की टीम के बीच एलिमिनेटर होता है। क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचती है, जबकि हारने वाली टीम एलिमिनेटर के विजेता से क्वालिफायर-2 खेलती है। क्वालिफायर-2 और क्वालिफायर-1की विनर के बीच फाइनल होता है। ट्रॉफी के अंदर एक बेहद खूबसूरत पेंडेंट रखा गया है, इसे ट्रॉफी जीतने वाली टीम ही देख सकती है। ट्रॉफी को इंग्लैंड के थॉमस लुइट ने डिजाइन किया है।

करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को जोड़ने के लिए ट्रॉफी टूर

जी एंटरटेनमेंट के प्रेसिडेंट राहुल जोहरी ने कहा कि आईटीएल-20 लीग के ट्रॉफी टूर की शुरुआत कर हमें खुशी हो रही है। प्लेयर्स की एक्सीलेंस और अचीवमेंट को प्रतीक मानकर ही स्पेशल ट्रॉफी को बनाया गया है। देश को टॉप क्वालिटी क्रिकेट से रूबरू कराने के लिए जी एंटरटेनमेंट कमिटेड है। सीजन-1 की बेहतरीन सक्सेस के बाद क्रिकेट एंटरटेनमेंट में नए रिकॉर्ड बनाने के उद्देश्य से दूसरे सीजन की शुरुआत होगी। भारत के करोड़ों क्रिकेट प्रेमी फैंस को आईटीएल -20 से जोड़ने के लिए देश में ट्रॉफी टूर कराया जा रहा है। सीजन-1 में भी इंडियन फैंस के सपोर्ट ने टूर्नामेंट को सफल बनाया। हमें पूरा यकीन है कि ट्रॉफी टूर से देशभर के फैंस एक नया कनेक्शन बना सकेंगे।

भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

वनडे में ऐडन मार्करम करेंगे कप्तानी; टेस्ट में टेम्बा बावुमा को मिली जिम्मेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के खिलाफ 10 दिसंबर से खेले जाने वाले तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान हो गया है। वनडे और टी-20 में ऐडन मार्करम और टेस्ट में टेम्बा बावुमा कप्तानी करेंगे। साउथ अफ्रीका ने अपने वनडे कप्तान बावुमा और तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए आराम दिया है। बावुमा की गैरमौजूदगी में टी-20 कप्तान मार्करम वनडे टीम की भी कप्तानी करेंगे। जेराल्ड कूट्जी, मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी पहले दो टी-20 में ही खेलेंगे। 10 दिसंबर से शुरू होने जा रहे इस दौरे पर टीम इंडिया को 3 टी-20, 3 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए टीम 6 दिसंबर को रवाना होगी।

स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह

बैटर ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। हेनरिक क्लासन को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। पीठ की चोट से जूझ रहे तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्या अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं वह चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

तीनों फॉर्मेट के लिए साउथ अफ्रीका टीम

टी-20 टीम- ऐडन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, जेराल्ड कूट्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा मैच), एंडिल फेलुक्वायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिजाड विलियम्स। वनडे टीम- ऐडन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर।

मेट्रो बाजार

एक जनवरी से महंगी होगी होंडा की कारें, मारुति, टाटा के भी दाम बढ़ेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

होंडा कार्स इंडिया जनवरी से अपने व्हीकल्स की कीमतें बढ़ाने जा रही है। लगातार बढ़ती इनपुट कॉस्ट के प्रेशर को कम करने के लिए कंपनी दाम बढ़ा रही है। जैपनीज कार मैन्युफैक्चरर इंडियन मार्केट में तीन मॉडल - एलिवेट, सिटी और अमेज बेचती है। होंडा कार्स इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग एंड सेल्स) कुणाल बहल ने अगले महीने से अपने मॉडलों की कीमतें बढ़ाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किस मॉडल पर कितनी राशि बढ़ाई जाएगी इसे महीने के अंत तक अंतिम रूप दिया जाएगा। कुणाल ने ये भी बताया कि नए मॉडल एलिवेट, को ग्राहक काफी पसंद कर रहे हैं।

जापानी कार मेकर होंडा ने तीन महीने पहले भारत में अपनी पहली मिड साइज एसयूवी एलिवेट लॉन्च की थी। कंपनी ने कार को इस साल 6 जून को अनवील किया था। कंपनी का दावा है कि कार एक लीटर पेट्रोल में 17 किलोमीटर का माइलेज देती है। कार को 10.99 लाख रुपए (दिल्ली एक्स शो-रूम) की शुरुआती कीमत में पेश किया था। होंडा का लक्ष्य 2030 तक भारतीय बाजार के लिए पांच नई एसयूवी लॉन्च करना है, जिसमें एलिवेट का एक इलेक्ट्रिक वर्जन भी शामिल है। इलेक्ट्रिक एलिवेट के 2026 तक आने की उम्मीद है। होंडा के पास अभी कोई एसयूवी नहीं है, जिसके चलते भी कंपनी को नुकसान हो रहा है। कंपनी ने इसी साल अपनी आखिरी एसयूवी होंडा का प्रोडक्शन बंद कर दिया था। इससे पहले कंपनी अपनी दो अन्य एसयूवी होंडा सीआरवी भी बंद कर चुकी है। इससे पहले मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और ऑडी इंडिया ने भी जनवरी 2024 में अपने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों में बढ़ोतरी की की घोषणा की थी। इनके अलावा मर्सिडीज-बेंज इंडिया जनवरी से अपने मॉडलों की कीमतें बढ़ाने वाली हैं।

टोयोटा की पहली इलेक्ट्रिक कार की पिक्स रिवील

मुंबई, एजेंसी। टोयोटा ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार के कॉन्सेप्ट मॉडल के पिक्स रिवील की है। टोयोटा अर्बन एसयूवी मारुति सुजुकी की इलेक्ट्रिक एसयूवी का सिस्टर-मॉडल है। दोनों कारें एक ही आर्टिटेक्चर पर डेवलप की गई हैं। दोनों कारों में इनविक्टो और इनोवा हाइक्रॉस की तरह एक्सटीरियर बॉडी पैनल और इंटीरियर ट्रिम एक जैसे होंगे। स्टाइलिंग में ये कार टोयोटा की कॉम्पैक्ट एसयूवी कॉन्सेप्ट से काफी मिलती-जुलती है, जिसे पिछले साल शोकेस किया गया था। इसका पिछला हिस्सा ईवीएक्स के समान है। इसमें एजी सरफेस हैं, सामने -शेप्ड डे-टाइम रनिंग लैंप है। दरवाजे और ग्लास हाउस भी काफी हद तक एक जैसे लगते हैं, हालांकि रियर डोर के हैंडल को यहां सी-

पिलर पर रखा गया है। टोयोटा ने रिवील किया है कि दोनों मॉडल्स में एक जैसे व्हीलबेस होने की भी उम्मीद है। टोयोटा अर्बन एसयूवी कॉन्सेप्ट का इंटीरियर अभी तक सामने नहीं आया है। टोयोटा की अर्बन एसयूवी प्लेटफॉर्म पर बेस्ड होगी जो कि लोकलाइज्ड होगी और भारत में सुजुकी की गुजरात फैसिलिटी में एक्सपोर्ट और घरेलू बाजार दोनों के लिए बनाई जाएगी। इसमें दो रेंज ऑप्शन्स मिल सकते हैं। इसमें से हायर वैरिएंट में 400चद्ब से ज्यादा की रेंज मिल सकती है। टोयोटा का कहना है कि स्ड्ड में फ्रंट व्हील ड्राइव और डुअल-मोटर के साथ ऑल व्हील ड्राइव ऑप्शन्स भी मिलेंगे। टोयोटा ने कहा है कि वह यूरोप के लिए तीन ईवी एसयूवी तैयार कर रही है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

दिया बोली- एक्ट्रेस के सेट पर लेट आने पर मिलता था अनप्रोफेशनल का टैग

दीया मिर्जा ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में जेंडर भेदभाव पर बात की है। दीया ने बताया है कि जब वे इंडस्ट्री में आई थीं, तब एक्टर्स की संख्या ज्यादा थी। इस कारण भेदभाव बड़े स्तर पर होता ही था। उन्होंने यह भी बताया है कि जब हन गाना शूट करने के आउटडोर जाते थे, तब कपड़े बदलने के लिए प्रॉपर सुविधा नहीं रहती थी। बाथरूम का इंतजाम भी नहीं होता था। दीया ने यह भी बताया कि अगर वे या कोई भी एक्ट्रेस सेट पर लेट आती थीं, तो उन्हें अनप्रोफेशनल का टैग मिल जाता था। मगर वहीं मेल एक्टर पर यह चीज लागू नहीं होती थी। उनके लेट आने पर किसी को कोई दिक्कत होती थी। आउटडोर शूट के वक्त एक्ट्रेसेस को वैनिटी वैन की सुविधा भी नहीं दी जाती थी। उन्हें कपड़े पेड़ या पत्थर के पीछे बदलने पड़ते थे। कई कलाकारों के लिए जूनियर आर्टिस्ट साड़ी और चादर का घेरा बनाते थे, जिसमें वे लोग कपड़े चेंज करते थे। एक्ट्रेसेस के लिए अलग से बाथरूम तक की कोई व्यवस्था नहीं रहती थी। दीया ने कहा- जब मैंने फिल्मों में कदम रखा था, जब सेट पर बहुत कम महिलाएं काम करती थीं। इस कारण हर मोड़ पर भेदभाव का एहसास होता था। हमें हर तरह से अलग ट्रीट किया जाता था। मेल एक्टर्स की वैनिटी वैन की तुलना में हमारी वैन की साइज छोटी होती थी। दीया ने साल 2000 में मिस इंडिया एशिया पैसिफिक का ताज जीता था। फिर उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2001 की फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से की थी। हाल में उन्हें फिल्म भीड़ और धक-धक में देखा गया था।

पूनम ढिल्लन लाई थीं पहली वैनिटी

सबसे पहले 1985-86 में एक्ट्रेस पूनम ढिल्लन ने वैनिटी वैन बनवाई थी, जिसकी ओपनिंग अमिताभ बच्चन ने की थी। पूनम ने 2021 में सोशल मीडिया पर इस बारे में लिखा था- मैं नहीं जानती थी कि मैं फिल्म इंडस्ट्री में इतिहास बना रही हूं, जब मैंने पहली बार अपनी मेकअप वैनिटी वैन की शुरुआत की। कई आर्टिस्ट मुझे इस कॉन्सेप्ट को फिल्म इंडस्ट्री में लाने के लिए धन्यवाद देते हैं। पहले ऑन लोकेशन शूट करने में बहुत परेशानी होती थी। न टॉयलेट, न कपड़े बदलने और खाना खाने की जगह, आर्टिस्ट को धूप और धूल में ही लोकेशन पर वक्त गुजारना पड़ता था।

आशा पारेख भी इस दर्द से गुजर चुकी

एक इंटरव्यू में आशा पारेख ने भी ने कहा था- उस समय जब हम शूटिंग के लिए जाते थे, तो स्टूडियो में बाथरूम नहीं होते थे और हम बाथरूम गए बिना पूरा दिन वहीं बैठे रहते थे। शुक्र है कि मुझे किडनी से जुड़ी कोई समस्या नहीं हुई। कभी-कभी हम झाड़ियों के पीछे अपने कपड़े भी बदलते थे।

एनिमल में काम से तृप्ति को मिली संतुष्टी

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' रिलीज हो गई है। इस एक्शन-ड्रामा फिल्म में तृप्ति डिमरी भी एक अहम कैमियो करती नजर आईं। फिल्म में निभाए गए रणबीर के खूंखार किरदार की तारीफ सब जगह हो रही है। वहीं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी के साथ रणबीर की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी काफी सराहना मिल रही है। तृप्ति ने फिल्म में जोया का किरदार निभाया है। एक इंटरव्यू के दौरान तृप्ति ने 'एनिमल' फिल्म में रणबीर कपूर के साथ काम करने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने कहा- रणबीर के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वे एक ग्रेट एक्टर के साथ-साथ काफी वॉर्म एंड वेलकमिंग नेचर के इंसान हैं। मुझे उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया। रणबीर के साथ मेरी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए ऑडियंस जिस कदर प्यार बरसा रही है, वो बहुत अच्छा लग रहा है। उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से रणबीर के साथ जरूर काम करूंगी।

आलिया भट्ट ने भी तृप्ति की तारीफ की

आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने 'एनिमल' टीम को बधाइयां दी। आलिया ने उस पोस्ट पर तृप्ति की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा- शानदार परफॉर्मेंस, वाकई में क्या बखूबी से किरदार निभाया। तृप्ति ने करियर की शुरुआत 2017 में फिल्म 'पोस्टर बॉयज' से की थी। इसके अलावा वो नेटफिलक्स की फिल्म कला, बुलबुल और लैला मजनू जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। इतना ही नहीं तृप्ति डिमरी अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा के साथ अपने लिंकअप को लेकर भी चर्चा में रह चुकी हैं। हालांकि इन दोनों की रिलेशनशिप ज्यादा समय तक नहीं चली और दोनों ने जुलाई 2023 में ब्रेकअप कर लिया था।

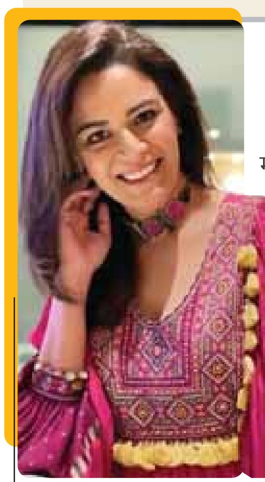

मोना बोली- फिल्म थ्री इडियट्स में आमिर के कहने पर मारा था थप्पड़

मोना सिंह ने फिल्म थ्री इडियट्स में आमिर खान के साथ काम किया था। उन्होंने हाल ही में आमिर को थप्पड़ मारने वाले सीन पर बात की है। उन्होंने कहा कि रियल टच के लिए आमिर ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा था। इस कारण मोना ने उन्हें जोरदार थप्पड़ जड़ दिया था। जब उन्होंने ये शॉट दिया था, तब आमिर के बॉडीगार्ड उन्हें घूरने लगे थे। एक इंटरव्यू में मोना ने फिल्म थ्री इडियट्स के बिहाइंड द सीन्स के बारे में बात की है। उन्होंने कहा- टेबल टेनिस का सीन बहुत तनाव भरा था। वहां मौजूद सभी लोग अपने-अपने एक्सपीरियंस शेयर कर रहे थे। आस-पास के सभी आदमी अपनी स्टोरी बता रहे थे कि मेरी बीवी ने ऐसा किया, मेरी बीवी ने वैसा किया था। राजकुमार हिरानी सर कह रहे थे- बीवी ने मुझे लात मार दी थी। माधवन ने बताया था- बीवी ने मुझे काट लिया था। ये सब सुन मैं चिंता में थी कि रियल टच के लिए मैं क्या करुं। तब आमिर सर ने मुझसे कहा- मोना मुझे थप्पड़ मारो। तब मैंने उन्हें थप्पड़ मार दिया लेकिन वो जोरदार नहीं था। तब आमिर सर ने कहा- असली वाला थप्पड़ मारो। इस बात से मुझे बहुत जोश मिला और मैंने उन्हें जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। मुझे याद है वहां मौजूद उनके बॉडीगार्ड मुझे घूरने लगे थे। मैंने उनसे सॉरी बोला और कहा कि आमिर सर को ऐसी ही रियल एक्टिंग पसंद है।

ठंड से बचाव...

राजधानी में पिछले कुछ दिनों से बारिश का सिलसिला जारी है, जिससे भोपाल के आसपास ठंड का असर देखा जा सकता है। ठंड से बचने के लिए लोगों गर्म कपड़े पहनकर ही बाहर निकल रहे हैं।

टीलाजमालपुरा और बजरिया में दो युवकों ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

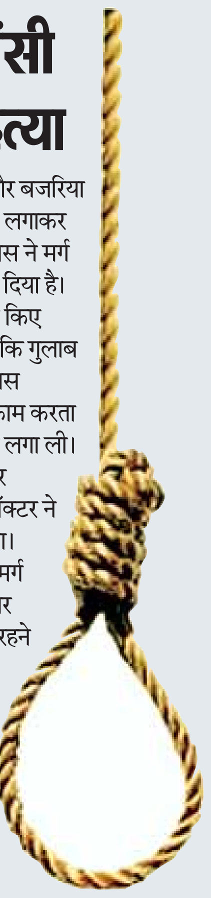

भोपाल। राजधानी के टीलाजमालपुरा और बजरिया थाना क्षेत्र में बीती रात दो युवकों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज किए जाएगे। टीला जमालपुरा पुलिस ने बताया कि गुलाब पिता बृजलाल (27) हनुमान मंदिर के पास टीलाजमालपुरा में रहता था और प्राइवेट काम करता था। कल शाम उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर हमीदिया अस्पतल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। इसी प्रकार स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र के खुशीपुरा में रहने वाले अरुण लोधी पित कन्हैयालाल लोधी ने बीती रात करीब साढ़े 12 बजे अपने घर में फांसी लगा ली। परिजन ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल सील करते हुए मृतक का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पॉलिसी एडवाइजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, प्लान बताते समय बिगड़ी तबीयत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित गुरुकृपा कॉम्प्लेक्स में सोमवार शाम एक पॉलिसी एडवाइजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वे कांप्लेक्स में रहने वाले एक परिवार को पॉलिसी की जानकारी दे रहे थे, तभी

एकाएक उन्हें चक्कर आया और वे बेसुध हो गए। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा।

एसआई नरेंद्र बेलवंशी ने बताया कि अविनाश व्यास पित भगवती प्रसाद व्यास (45) बी-12, सूरज नगर, साक्षी ढाबा के पास रहते थे। वे प्राइवेट तौर पर अकाउंट का काम देखते थे और एक निजी कंपनी के पुलिस भी कराते थे। सोमवार शाम वह गुरुकृपा कॉम्प्लेक्स में रहने वाले एक परिवार में गए थे। वहां उन्होंने पॉलिसी की जानकारी दी। जानकारी देते समय उनकी तबीयत बिगड़ी और वह बेसुध हो गए। परिवार ने उनके दफ्तर में कॉल कर बताया और दफ्तर से अविनाश के साथ पहुंचे थे। इस दौरान अविनाश को उल्टी हो चुकी थी। साथी अविनाश को एंबुलेंस से लेकर नर्मदा अस्पताल पहुंच रहे थे। उन्हें रास्ते में होश आया और वे उठकर बैठ गए। वह कहने लगे कि अब थोड़ा ठीक लग रहा है। फिर कुछ देर बाद बेसुध हो गए। नर्मदा अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उन्हें चेक किया तो उनकी मौत हो चुकी थी।

सीसीटीवी फुटेज से पुलिस कर रही पहचान, दो महीने पहले ठगों ने की थी वारदात

सम्मोहन क्रिया से महिला के कान के टॉप्स ठगने वाले जालसाजों का सीसीटीवी फुटेज वायरल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी लहारपुर में बुटिक का संचालन करने वाली महिला को सम्मोहन क्रिया से ठगने वाले जालसाजों का सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ठगों की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश कर रही है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी फुटेज वायरल किए है, लेकिन दो महीने बीत जाने पर भी ठगों का सुराग नहीं लगा है।

पुलिस के अनुसार ज्योति शर्मा पति प्रकाश नारायण शर्मा (50) एलआईजी फर्स्ट, 204, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, लहारपुर में रहती हैं और कटारा स्कूल के पास बुटिक का संचालन करती हैं। गत 4 अक्टूबर 2023 को दोपहर करीब करीब साढ़े 12 बजे वह दुकान पर थी। इस दौरान एक बाइक पर दो युवक पहुंचे। एक युवक उनके पास पहुंचा और दूसरा बाइक के पास खड़ा रहा। उनके पास पहुंचे युवक ने उनसे सफेद रंग का ब्लाउज पीस मांगा। ज्योति ने ब्लाउज पीस दिखाया और उसने एक पीस पसंद कर पांच सौ रुपए का नोट थमा दिया। ज्योति ने उसे ब्लाउज पीस के साथ चार सौ रुपए लौटाए थे, तभी उसने कोई मंत्र पढ़ा और कहा कि अपने कान के टॉप्स दे दो। ज्योति ने उसके कहने पर कान के टॉप्स उतारकर दे दिए। कान के टाप्स हाथ लगने के बाद आरोपी बाइक के पास खड़े अपने साथी के साथ चला गया। कुछ देर बाद ज्योति को पता चला कि उनके कान के टॉप्स युवक लेकर गया है तो उन्होंने अपनी बेटी को आवाज दी। मां बेटी बाहर निकली तो बाइक सवार दोनों आरोपी बरखेड़ा पठानी की तरफ भाग निकले थे।

शटर का कुंदा तोड़कर 71 हजार रुपए की नगदी चोरी

भोपाल। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित चौकी इमामवाड़ा में आटो पार्ट्स की दुकान का शटर का कुंदा तोड़कर बदमाश 71 हजार रुपए की नगदी चुराकर ले गए। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि आकिब खान पिता आबिद खान (24) गली नंबर-2 ओल्ड सुभाष नगर में रहते हैं। वे चौकी इमामवाड़ा के पास सेफिया आटो पार्ट्स नाम से दुकान का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार रात उन्होंने रात करीब आठ बजे दुकान बंद की थी। इसके बाद अपने निवास सुभाष नगर चले गए। रविवार सुबह उन्होंने दुकान बंद रखी थी। सोमवार सुबह वह दुकान पर पहुंचे तो शटर टेढ़ा नजर आया। शटर उठाकर वे अंदर घुसे और काउंटर चेक किया तो काउंटर में रखी 71 हजार रुपए की नगदी नहीं थी।

इंजीनियर के सूने मकान से नकदी समेत जेवरात चोरी

इधर कोलार थाना क्षेत्र स्थित राजहर्ष कॉलोनी में रहने वाले 50 साल के इंजीनियर विनोद कुमार के सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश पंद्रह हजार रुपए की नगदी समेत जेवरात चुराकर ले गए। विनोद कुमार ने बताया कि वह मूलतः पटना, बिहार के रहने वाले हैं और भोपाल की एक कंपनी में इंजीनियर है। गत 23 नवंबर को वह परिवार के साथ पटना गए थे। वहां से रविवार-सोमवार की दरमियानी भोपाल पहुंचे। इस दौरान घर के मुख्य गेट पर लगा ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि बदमाशों ने अलमारी के लॉकर से पंद्रह हजार रुपए की नगदी और पुराने जेवरात चुरा लिए है। बदमाश उनके घर से कुछ 60 हजार रुपए का माल चुराकर ले गए हैं।

जिला टास्क फोर्स की बैठक अब 5 दिसंबर को होगी

भोपाल। कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक 5 दिसंबर, दोपहर 12 बजे से कलेक्टेट सभागार में आयोजित की गई है। राष्ट्रीय पोलियो अभियान 10 से 12 दिसंबर राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं सेंस अभियान की बैठक 4 दिसंबर आयोजित बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई है। अब यह बैठक 5 दिसंबर, दोपहर 12 बजे से कलेक्टेट सभागार में आयोजित की गई है इसमें में सभी संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित होने के निर्देश है।

मेट्रो एंकर जैकेट और चप्पल उतारकर कुएं में लगाई छलांग

लापता युवक की कुएं में मिली लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित ऋषिपुरम रोड पर सोमवार दोपहर एक युवक की लाश कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक रविवार शाम से लापता था। उसका दिमागी संतुलन बिगड़ा हुआ था और बहन उसका इलाज भी करवा रही थी। पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है।

फाइल फोटो

पुलिस ने बताया सोमवार दोपहर करीब तीन बजे ऋषिपुरम रोड के पास कुएं से युवक की लाश बरामद की गई। कुएं के पास से पुलिस को मृतक की जैकेट व चप्पलें रखी मिली हैं। जैकेट की जेब से मिले आधार कार्ड के माध्यम से मृतक की पहचान प्रकाश शर्मा पिता विष्णु प्रसाद शर्मा (38) निवासी दीप नगर के रूप में कर ली गई। सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। मृतक की बहन पूजा चौहान ने बताया कि प्रकाश शर्मा समेत उसके दो जुड़वा भाई थे। दोनों ही दिमागी रूप से कमजोर थे। प्रकाश का मेंटल अस्पताल में इलाज भी चला था। उसे नशा मुक्ति केन्द्र में भी रखा गया। बावजूद इसके उसकी दिमागी हालत में सुधार नहीं हो सका। पिता बीएचईएल में नौकरी करते थे। माता-पिता की मौत के बाद से प्रकाश और उसका जुड़वा भाई अपनी बहन पूजा व जीजा के साथ बरखेड़ा एन-टू ई-सेक्टर में ही रहता था जबकि उनका नया मकान दीप नगर में बना हुआ है। पूजा ने पुलिस को बताया कि प्रकाश रविवार शाम से बिना बताए कहीं चला गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022